E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 34 | प्रयागराज, शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान बोला- अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ी, अब बातचीत बेकार, समझौते तक ईरान के आसपास तैनात रहेगी सेना-ट्रम्प

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है। वहीं दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है।लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। हमले बेरूत, बेक्का वैली, माउंट लेबनान, सैदोन और दक्षिण लेबनान के कई गांवों में किए गए। यह हमला उसी दिन हुआ, जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया गया था। इजराइली सेना ने कहा कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था। सेना के मुताबिक, इसमें हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा नहीं है। ईरान होर्मजु स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल के जहाजों से हर बैरल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की योजना बना रहा है। ईरान यह भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में चाहता है। यह खबर फाइनेंशियल टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से दी है।ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज पर नजर रखेगा और कंट्रोल करेगा। जहाजों को पहले अपने माल (कार्गो) की जानकारी देनी होगी, उसके बाद ही आगे जाने की इजाजत मिलेगी।ईरान के अधिकारी हामिद होसैनी ने कहा कि यह इसलिए किया जा रहा है ताकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों तक दो हफ्तों में हथियारों की आवाजाही न हो सके। उन्होंने कहा कि जहाजों को जाने दिया जाएगा, लेकिन प्रोसेस में समय लग सकता है क्योंकि ईरान किसी जल्दी में नहीं है।

महिला आरक्षण संशोधन ड्राफ्ट को केंद्र की मंजूरी-महीने भर में पारित होने की संभावना

मोदी बोले- यह भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें इस संशोधन बिल को पारित किए जाने की संभावना है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा, और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। प्रस्ताव के मुताबिक आरक्षण 'वर्टिकल' आधार पर लागू होगा, यानी अनुसूचित जाति और जनजाति की आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए हिस्सा तय किया जाएगा। इस बिल को लेकर पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट पर एक आर्टिकल पब्लिश किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि महिला रिजर्वेशन एक्ट में प्रस्तावित बदलाव सिर्फ एक कानूनी काम नहीं, बल्कि यह पूरे भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक है। उन्होंने सभी सांसदों से इस कदम का साथ देने के लिए एक साथ आने की अपील की और कहा- संसद, सभी दलों से ऊपर उठकर, भारत की महिलाओं के लिए इस महत्वपूर्ण कदम के समर्थन में एकजुट हो। मोदी का आर्टिकल 5 पॉइंट्स में-पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए,**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

'जहरीले सांप' बयान पर नितिन नवीन बोले-ये कांग्रेस की भाषा,खड़गे सिर्फ बीजेपी-आरएसएस के खिलाफ बोल रहे, समाज में जहर घोलने की कोशिश

नयी दिल्ली। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को असम में रैली में खड़गे ने कहा था कि अगर आप नमाज पढ़ रहे हैं

मल्लिकार्जुन खड़गे के 'भाजपा-आरएसएस को जहरीला सांप' बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी लोगों को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने की कोशिश है और सस्ती मानसिकता दिखाती है। नवीन ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि कांग्रेस की यह पुरानी परंपरा रही है कि वह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती है, जिनका समाज पर नकारात्मक असर पड़ता है। ऐसे बयानों के बाद जनता बीजेपी को जीत का आशीर्वाद देती है। उन्होंने खड़गे के बयान के पीछे गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराया। कहा- ये गांधी परिवार के शब्द हैं। राहुल और सोनिया रिमोट कंट्रोल से पार्टी चलाते हैं और खड़गे उसी के तहत बोलते हैं। दरअसल 6 अप्रैल को और जहरीला सांप आ जाए तो नमाज छोड़कर उसे मारना है, यह कुरान में कहा गया है। यह आरएसएस और बीजेपी जहरीले सांप हैं, इनको नहीं मारेंगे तो आप बचेंगे नहीं। नितिन नवीन ने खड़गे के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने केरल और गुजरात के लोगों की तुलना की थी। खड़गे ने कहा था कि केरल के लोग पढ़े-लिखे और समझदार हैं, उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात जैसे राज्यों के लोगों को गुमराह किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गुजरात महात्मा गांधी और सरदार पटेल की भूमि है और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को आगे बढ़ा रहे हैं। बिहार के नए सीएम को लेकर मतभेद की खबरों पर कहा, 'कहीं कोई मतभेद नहीं है। सब चीजें समय के अनुसार चल रही हैं। 10 अप्रैल को राज्यसभा का शपथ है। उसके बाद की प्रक्रिया शुरू होगी। गठबंधन धर्म भाजपा ने हमेशा बखूबी और सम्मानपूर्वक निभाया है। यही कारण है कि आज भी दलों को हम पर विश्वास होता है। पूरी प्रक्रिया चल रही है। सब माननीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में तय हो रहा है, उसी हिसाब से चीजें चल रही हैं। एनडीए के लिए सबसे बड़ा चैलेंजर कौन है के सवाल पर कहा कि चैलेंजर राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस के कुनबे की सोच है। उनकी क्षमता जमीन पर कुछ नहीं है। उनके तुष्टिकरण, शब्दों का प्रयोग और मानसिकता में, एक राष्ट्रीय पार्टी की जो मानसिकता होनी चाहिए, उसमें बहुत गिरावट है। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जिस तरह का खेल किया गया है, उसकी सच्चाई भविष्य में सामने आ जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में हर परिस्थिति में भाषा की मर्यादा बनी रहनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर कहा कि अब राज्य की जनता की चिंता बीजेपी करेगी। ममता ने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि आम जनता उपेक्षित रही है। इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी।

इजरायल ने हिजबुल्लाह चीफ के भतीजे को किया ख़त्म, बेरूत पर किए हवाई हमले के दौरान बनाया निशाना

बेरूत। इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह नेता नईम कासिम के निजी सचिव अली यूसुफ हर्शी को मार दिया है। इजरायली सेना ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि हर्शी को लेबनान की राजधानी बेरूत में एक हवाई हमले में निशाना बनाया गया। हर्शी हिजबुल्लाह के चीफ नईम कासिम का निजी सचिव होने के साथ ही उसका भतीजा भी था। इजरायली सेना ने कहा कि हर्शी के पास हिजबुल्लाह चीफ के दफ्तर और उनकी सुरक्षा की अहम जिम्मेदारी थी। इजरायली सेना ने बुधवार को हिजबुल्लाह के गढ़ दाहियेह के बाहर बेरूत के तल्लेत खयात इलाके में हर्शी को निशाना बनाकर हमला किया। इसके अलावा सेना ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में करीब 10 हथियारों के गोदामों, लॉन्चरों और कमांड सेंटर्स को भी निशाना बनाया। इजरायली सेना ने बुधवार को हिजबुल्लाह के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। यह हमला डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही शुरू हुआ। इसमें 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि 1100 घायल हुए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि लेबनान युद्धविराम का हिस्सा नहीं है और हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले जारी रहेंगे।इसके पहले अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीजफायर की घोषणा करते हुए एक्स पोस्ट में कहा था कि यह लेबनान पर भी लागू होगा। ईरान ने भी यही बात कही थी। ट्रंप ने भी बाद में इस मुद्दे पर इजरायल के रुख का समर्थन किया।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने उगला जहर बोला-'भारत और इजरायल मुस्लिमों के दुश्मन, इस्लामी वर्ल्ड एकजुट हो जाए'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका-ईरान के बीच जंगबंदी कामयाब होगी। उन्होंने है। हमारी मौजूदा उपलब्धियों ने इस्लामाबाद को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।' पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, रक्षा मंत्री

खासतौर से मुस्लिम दुनिया से सीजफायर की 'रक्षा' करने और क्षेत्र में शांति के लिए खतरों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। ख्वाजा ने इस दौरान भारत के खिलाफ जमकर जहरीली जुबान का इस्तेमाल किया है। उन्होंने इजरायल और भारत को मुस्लिमों के सबसे बड़े दुश्मन कहकर संबोधित किया। आसिफ का बयान ऐसा समय आया है, जब पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों से अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से चल रही लड़ाई में बुधवार को सीजफायर हुआ है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को ईरान में सीजफायर के मुद्दे पर नेशनल असेंबली में बोलते हुए कहा, 'अल्लाह करे कि हम शांति और सुलह स्थापित करने में सफल हों। ईरान में जंगबंदी बहुत खुशी की बात है लेकिन मुस्लिम उम्माह (इस्लामिक वर्ल्ड) को इसकी रक्षा के लिए सतर्क रहना होगा। मुस्लिम दुनिया को शांति के लिए पैदा होने वाले खतरों से चौकस होने की जरूरत है। ख्वाजा आसिफ ने कहा- 'शांति को बढ़ावा देने में पाकिस्तान अपनी भूमिका निभा रहा है। इस्लाम शांति और सुलह का पक्षधर है और हम इसी जानिब काम कर रहे हैं। ईरान की मौजूदा उपलब्धियों ने वैश्विक मंच पर देश को एक नई पहचान दिलाई है। हालांकि हमें इजरायल के खतरे को कम करके नहीं आंकना चाहिए।' ख्वाजा आसिफ ने क्षेत्र में शांति को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की महत्वपूर्ण भूमिका होने का दावा किया है। उन्होंने कहा, 'खाड़ी के दोनों ओर भाई होने के नाते हम शांति को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। हम ऐसा कर रहे हैं क्योंकि इस्लाम में अमन पर जोर दिया गया आसिफ ने वैश्विक स्तर पर इजरायल के बढ़ते प्रभाव के प्रति इस्लामाबाद और इस्लामी दुनिया को आगाह किया है। आसिफ ने कहा कि इजरायल का प्रभाव पूरे यूरोप, अमेरिका और अरब जगत में फैल चुका है। मौजूदा समय में पाकिस्तान के पास इसका विरोध करने में नेतृत्व की भूमिका निभाने का अहम मौका है। ख्वाजा आसिफ ने एक ओर इस्लामी वर्ल्ड में पाकिस्तान की अग्रणी भूमिका की बात कही तो वहीं भारत और इजरायल को मुस्लिमों का दुश्मन बता डाला। आसिफ ने कहा कि इस्लामी दुनिया को अपने दुश्मनों को साफतौर पर पहचान लेना चाहिए। मुस्लिमों का बहुत स्पष्ट दुश्मन दक्षिण एशिया में भारत और खाड़ी क्षेत्र में इजरायल है। ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान के सीनियर नेताओं में शुमार हैं लेकिन बड़बोलेपन के लिए जाने जाते हैं। खासतौर से भारत को लेकर ख्वाजा आसिफ बयान देते रहे हैं। बीते साल मई में भारत-पाकिस्तान की चार दिन लड़ाई के बाद से ख्वाजा आसिफ ने लगातार कभी हमले करने तो कभी तबाही मचाने की गीदड़भभकी भारत को दी है। ईरान में सीजफायर कराने को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) के स्पीकर अयाज सादिक ने भी बड़ी उपलब्धि कहा है। सादिक ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम एक ऐतिहासिक सम्मान और पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र के लिए गर्व का पल है। पाकिस्तान की सच्ची कोशिशें रंग लाई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा इसी बात का सबूत है कि इस्लामाबाद ने शानदार काम करके दिखाया है।

अंधड़/बारिश से फसल बर्बाद देखकर फूट-फूटकर रोया किसान,कहा- हे भगवान, क्या करें,44 जिलों में अलर्ट

लखनऊ। यूपी में आंधी-बारिश और ओले का सिलसिला थम नहीं रहा। मौसम विभाग ने बुधवार देर शाम बरेली-मेरठ समेत 6 शहरों में ओले गिरे। सहारनपुर और हरदोई में इतने ओले गिरे

गुरुवार को भी 44 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। लखनऊ-वाराणसी में मौसम साफ है, ठंडी हवाएं चल रही हैं। मथुरा में सुबह ग्रामीण इलाकों में हल्का कोहरा देखने को मिला। आगरा समेत पश्चिम के 10 जिलों में बादल छाए हैं। वहीं, पूर्वांचल के जिलों में हल्की धूप निकली हुई है। हरदोई में बारिश से बर्बाद फसल देखकर किसान सतिराम फूट-फूटकर रोने लगे। भीगी फसलों को दिखाते हुए उन्होंने कहा- हे भगवान, अब क्या करें। कि सड़कों और खेतों पर सफेद चादर जैसी बिछ गई। 24 घंटे में प्रदेश के 30 जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में औसतन 2.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो कि सामान्य (0फीसदी) से करीब 200फीसदी अधिक है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 38.6 डिग्री बांदा में दर्ज किया गया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- 'गुरुवार को मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा, लेकिन 11 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे मौसम फिर बिगड़ेगा। तेज हवाओं के साथ बारिश होगी और तापमान में 6 से 8 डिग्री तक गिरावट आ सकती है।' योगी बोले- अफसर फील्ड में उतरें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं किसानों की फसलों को हुए नुकसान को लेकर सीएम योगी ने अधिकारियों को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा- अफसर 24 घंटे के भीतर नुकसान का सर्वे करें और प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों को हर संभव मदद देना सरकार की प्राथमिकता है।अगले 3 दिन कैसा रहेगा मौसम? 10 अप्रैल- पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रहेगा। कहीं-कहीं तेज धूप खिलेगी। इससे पारा में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी।11 अप्रैल- नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे पूरे प्रदेश का मौसम फिर से बिगड़ने की संभावना है। तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।12 अप्रैल:- पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम बिगड़ा रहेगा। ज़्यादातर जिलों में बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है।

नेपाल का पीएम बनते ही बालेन मित्र देशो/भारत समेत 17 राजदूतों की एक साथ बुलाई बैठक

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सत्ता संभालते हुए ऐक्शन में आ गए हैं। बालेन शाह ने पीएम बनने बाद भारत, चीन, अमेरिका समेत 17 देशों के राजदूतों की बैठक बुलाई। नेपाल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब सारे राजदूतों की एक साथ बैठक बुलाई गई। अब तक परंपरा थी कि नेपाली पीएम सारे राजदूतों से अलग-अलग मिलते थे। यही नहीं ठीक उसी दिन नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सभी कैबिनेट मंत्रियों को साल 2011 से लागू नेपाल के राजनयिक कोड ऑफ कंडक्ट के बारे में भी बताया गया। काठमांडू पोस्ट ने नेपाली विशलेषकों के हवाले से बताया कि इस बैठक के जरिए बालेन शाहने यह संकेत दिया कि उनकी सरकार विदेश नीति पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है और व्यक्ति आधारित बैठक की बजाय सरकार के स्तर पर विदेशों के साथ संपर्क को बढ़ाना चाहती है। नेपाली पीएम ने इस कदम से साल 2006 से चली आ रही परंपरा को किनारे कर दिया है। साल 2006 से हर नेपाली प्रधानमंत्री ने अलग-अलग विदेशी राजदूतों से मुलाकात की। नेपाली सेना के पूर्व मेजर जनरल बिनोज बसनयत-'यह एक सामान्य मुलाकात नहीं थी। यह एक रणनीतिक कूटनीतिक रीसेट ब्रीफिंग है। नेपाल प्रयास कर रहा है कि एक प्रतिक्रिया, व्यक्ति और पार्टी आधारित कूटनीति से आगे बढ़कर

स्पष्ट और राज्य आधारित रवैया अपनाना चाहता है।' नेपाल के विदेशी मामलों के जानकार लंबे समय से इसकी आलोचना करते थे कि इस तरह की बैठकों में कोई नोट लेने वाला नहीं होता है। इससे दोनों के बीच हुई बातचीत सरकारी रेकॉर्ड में नहीं आ पाती है। बालेन शाह ने जिन देशों के राजदूतों के साथ मुलाकात की है, उनमें भारत, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब, कतर, इजरायल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, स्विटजरलैंड, मिस्र और संयुक्त राष्ट्र शामिल हैं। इस सामूहिक मुलाकात के बाद 11 देशों के राजदूतों से बालेन शाह ने अलग से मुलाकात की। इस मुलाकात में सभी देशों के राजदूतों ने कहा कि वे नेपाल की नई सरकार को अपना पूरा समर्थन देते हैं। इस बैठक पर नेपाल के राजनीतिक सलाहकार असीम शाह ने कहा, 'पहले ऐसी संस्कृति थी कि विदेशी राजदूत बहुत ज्यादा पीएम से मिलते रहते थे जो राजनयिक मानदंडों के खिलाफ था।' बता दें कि केपी शर्मा ओली अक्सर चीनी राजदूत के इशारे पर काम करते थे। उन्होंने भारत विरोधी नक्शा जारी किया था। बालेन शाह ने 27 मार्च को शपथ ली थी। बालेन शाह ने भारतीय राजदूत से भी अलग से मुलाकात की। बालेन शाह की पार्टी ने कहा है कि वह विदेश नीति में संतुलन बनाएगी। नेपाली विशलेषकों का कहना है कि सारे राजदूतों को एक साथ बुलाना एक सामान्य बात नहीं है। यह एक तरह से संकेत है। वह भी तब जब भारत, चीन और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्द्धा बढ़ रही है। इससे बालेन शाह ने संकेत दिया कि वह न तो भारत, न चीन और न ही अमेरिका की ओर झुकाव रखते हैं।

फिर वही घिनौने लोग..

9वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप,10 लोगों ने की हैवानियत, 4 महीने पहले हुई थी लापता

गोरखपुर। गोरखपुर में 9वीं की छात्रा के साथ 10 लोगों ने रेप किया। एक नवंबर को सुबह 9 बजे छात्रा

स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर ढूंढा। फिर 7 नवंबर को थाने में गुमशुदी दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की। 23 मार्च को छात्रा को पुलिस ने बरामद कर लिया। पूछताछ में छात्रा ने बताया कि एक युवक के बहकावे में वो चली गई थी। इसके बाद उसके साथ कई होटलों में अलग-अलग दिन 10 लोगों ने रेप किया। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई। कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने छात्रा को भगाने के आरोपी एक युवक को पकड़ा। इसके बाद होटल संचालक सहित 10 लोगों को हिरासत में लिया। बुधवार को 4 आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। घटना चौरीचौरा थाना क्षेत्र की है। चौरीचौरा इलाके की रहने वाली 14 साल की छात्रा कक्षा 9 में पढ़ती है। छात्रा के पिता गुजरात में मजदूरी करते हैं। पुलिस के मुताबिक, एक नवंबर 2025 को वह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। इसी दौरान रास्ते में उसकी मुलाकात एक युवक से हुई। आरोप है कि युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। शाम तक छात्रा के घर नहीं लौटने पर परिजन परेशान हो गए। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजन थाने पहुंचकर 7 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। काफी समय तक तलाश के बाद 23 मार्च को पुलिस ने छात्रा को बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने छात्रा की कॉल डिटेल खंगाली तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। जांच में पता चला कि उसे कई होटलों में ले जाया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी किशन उर्फ बिट्टू, समीर उर्फ दिलशाद, मोनू उर्फ मनीष राजभर और होटल संचालक धर्मराज को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। वहीं, छह अन्य आरोपियों को हिरासत में लेकर पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया- नाबालिग छात्रा को बरामद करने के बाद उसका कोर्ट में बयान दर्ज कराया गया। छात्रा ने आरोप लगाया है कि उसे अलग-अलग जगहों पर ले जाकर 10 लोगों ने रेप किया। इसी आधार पर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

एडीएम ने विभिन्न ग्रामों को निरीक्षण कर फसल, मकान/सम्पत्ति एवं अन्य संभावित नुकसानों का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में वर्तमान में

हो रहे खराब मौसम/अत्यधिक वर्षा के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमृता सिंह ने सदर तहसील के ग्राम देदौर, चिलौली, डलमऊ तहसील के अंतर्गत मधुकरपुर, सुल्तानपुर जाला तथा लालगंज तहसील के गोविन्दपुर किलौली व तौंधकपुर में स्थलीय निरीक्षण/मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान फसल क्षति, मकान/सम्पत्ति क्षति एवं अन्य संभावित नुकसानों एवं प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया तथा स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर बनाए रखें तथा राजस्व एवं अन्य संबंधित टीमों को सक्रिय रखें। सभी लेखपालों को भी अपने क्षेत्र में भ्रमण कर क्षति का आंकलन करते हुए आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें, इसके अतिरिक्त, सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति से संबंधित सूचनाओं का समयबद्ध संकलन कर तत्काल उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे राहत एवं सहायता कार्यों में किसी प्रकार का विलंब न हो। इसी क्रम में जनपद की समस्त तहसीलों के तहसीलदारों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत स्थलीय निरीक्षण/भ्रमण करते हुए फसल क्षति एवं अन्य नुकसानों का आकलन किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर सतत निगरानी रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-6 के अन्तर्गत की गयी घोषणा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। वन बन्दोबस्त अधिकारी/उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सदर रायबरेली अहमद फरीद खान ने बताया है कि भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-4 के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार ने विज्ञप्ति संख्या 1983/14-2-2014-4 (1)/2014 दिनांक 18.07.2014 द्वारा घोषित किया गया कि अनुसूची में उल्लिखित भूमि को आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चित किया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-6 की आवश्यकता को पूरा करने के लिये यह घोषित किया है कि भूमि के आरक्षित वन बन जाने से यह परिणाम होगा कि वन विभाग की आज्ञा या अनुमति बिना इस क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य प्रतिबन्धित होंगे। उक्त क्षेत्र में प्रवेश करना। किसी भूमि पर अधिकार करना। आग लगाना, ले जाना या जलाना। पशुओं को उन पर छोड़ना या चराना। वृक्ष पातन (काटना) वृक्षों के पत्ते काटना, वृक्षों का चिरान करना, जलाना आदि या उनकी छाल उतारना। पत्थर खोदना, चूना या कोयला जलाना आदि। भूमि तोड़ना या सफाई करके खेती योग्य बनाना। वन्य जीवों को किसी भी प्रकार की क्षति पहुँचाना। इन कार्यों के करने वाले व्यक्ति को भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-26 (1) के अधीन दण्डित किया जा सकता है। उन्होंने सर्व साधारण को यह भी सूचना दी है कि जो व्यक्ति भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-8 और 5 में वर्णित किसी अधिकार पर अपना दावा समझता है तो वन बन्दोबस्त अधिकारी रायबरेली जिला रायबरेली के सामने इस विज्ञप्ति की तारीख से 03 माह के अन्दर उपस्थित हो और अपना दावा करें या अपना दावा लिखित रूप में भेजे। आरक्षित भूमि की सूची तहसील के सूचना पट पर चस्पा है।

रायबरेली के युवाओं का यू0पी0पी0सी0एस0-2024 में जलवा, समाज कल्याण मंत्रालय की कोचिंग से मिली सफलता,निःशुल्क कोचिंग और अभ्युदय योजना से तैयार हुए अभ्यर्थी

विमल कुमार बने ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर,हर्ष कुमार सिंह बने डिप्टी एसपी, संदीप वर्मा ने सांख्यिकी अधिकारी बनकर बढ़ाया मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच भी सफलता हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन समाज कल्याण मंत्रालय की निःशुल्क कोचिंग और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से जुड़े अभ्यर्थियों ने यह कर दिखाया है। कोचिंग और योजना से मिले मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञ शिक्षकों के सहयोग से रायबरेली के हर्ष कुमार सिंह, विमल कुमार और संदीप वर्मा ने उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा यू0पी0पी0सी0एस0-2024 परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने सपनों को साकार किया। गौरतलब है कि विमल कुमार ने निःशुल्क कोचिंग के माध्यम से ही यू0पी0एस0सी0-2025 में भी 107 वीं रैंक प्राप्त कर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। निःशुल्क कोचिंग से मिली नई दिशा-गौरतलब है कि समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में संचालित निशुल्क आवासीय कोचिंग और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत प्रदेश भर में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के नेतृत्व में इन केंद्रों ने प्रतिभाशाली युवाओं को वह मंच दिया है, जिससे वे अपने सपने साकार कर रहे हैं। हॉस्टल से लेकर लाइब्रेरी तक की सुविधा-भागीदारी भवन के संयुक्त निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को कोचिंग सत्र के दौरान अभ्यर्थियों को निरूशुल्क हॉस्टल, भोजन, लाइब्रेरी और नियमित कक्षाओं की सुविधा बिल्कुल मुफ्त मिलती है। इसके साथ ही विषय विशेषज्ञ नियमित रूप से क्लास लेते हैं और मुख्य परीक्षा पर फोकस करते हुए उत्तर लेखन का अभ्यास, मॉडल टेस्ट करवाए जाते हैं। वहीं अभ्युदय योजना प्रदेश के 75 जिलों में 166 प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से संचालित की जा रही है, जिसके तहत विद्यार्थियों को यूपीएससी, यू0पी0पी0एस0सी0, जे0ई0ई, नीट, एन0डी0ए0, सी0डी0एस0 जैसी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क करवाई जाती है।

आधुनिक समाचार-एक्सक्लूसिव रिपोर्ट

मिशन शक्ति-5 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं

की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थाना अलीगंज पुलिस टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नया हनुमान मंदिर, चांदगंज क्षेत्र में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर डसब इंस्पेक्टर शिवानी मिश्राङ भी मौजूद रहीं और उन्होंने महिलाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में वे तुरंत 1090 (वीमेन पावर लाइन) सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें। साथ ही उन्हें आत्मरक्षा के प्रति जागरूक रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान महिलाओं को 'नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन' के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

बिजली कर्मचारी संघ की जीतः संविदा कर्मियों की मांगें मानी गईं, अनशन खत्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को उ0प्र0 राजनरायन उपस्थित रहे। इस मौके पर संगठन के

बिजली कर्मचारी संघ के बैनर तले अधीक्षण अभियंता रॉबर्ट्सगंज में संविदा कर्मियों की मांगो को लेकर पिछले 4 दिनों से चल रहा क्रमिक अनशन गुरुवार दोपहर बाद अधीक्षण अभियंता और संगठन के पदाधिकारियों के बीच हुई वार्ता के बाद खत्म किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि अधीक्षण अभियंता के साथ हुई वार्ता में कर्मचारियों की सभी मांगे मान ली गई पदाधिकारी एवं कर्मचारीयो ने अधीक्षण अभियंता का आभार व्यक्त किया। वार्ता में जिला अध्यक्ष ज्योति कुमार, जिला सचिव अभय पाण्डेय, मण्डल सचिव नितेश मौर्या, कोषाध्यक्ष हरिशंकर द्विवेदी, उपमंत्री पदाधिकारियों ने कहा कि अधीक्षण अभियंता ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से लिया और उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया। इससे पहले, संविदा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया था। कर्मचारियों का कहना था कि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। लेकिन आज हुई वार्ता में अधीक्षण अभियंता ने कर्मचारियों की सभी मांगें मान लीं, जिससे कर्मचारियों में खुशी की लहलहा है। कर्मचारियों ने अधीक्षण अभियंता का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे।

NSUI का अनोखा जश्नः स्थापना दिवस पर बच्चों को दिया दौड़ का मंच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय छात्र संगठन उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अंशु

(एनएसयुआई) के 56वां स्थापना दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बीच दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसयुआई के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना रहा। दौड़ प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को सम्मानित कर गुप्ता ने कहा कि एनएसयुआई हमेशा शिक्षा और युवाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जिला महासचिव रोहित कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं तथा समाज में शिक्षा और खेल के महत्व पर जोर दिया गया।

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए क्षेत्राधिकारी यातायात ने की समीक्षा,पुलिस सभागार में आयोजित हुई बैठक संबंधितों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 चारु द्विवेदी द्वारा कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। संबंधित अधिकारियों/

यातायात निरीक्षक, समस्त यातायात उपनिरीक्षक (टीएसआई) एवं थाना रॉबर्ट्सगंज, चोपन, घोरावल व बभनी की सीसी टीम की वृहद समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यातायात प्रबंधन, प्रवर्तन कार्यवाही, सड़क सुरक्षा एवं जनजागरूकता से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा दिए गए निर्देशों का कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा आमजन को नियमों के प्रति जागरूक करें। सोनभद्र पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

लालापुर-अंधेरा होते ही सड़कों पर दौड़ती 'यमराज' की गाड़ियाँ, प्रशासन मौन,लालापुर थाना क्षेत्र में ओवरलोड का बड़ा खेल,जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लालापुर/प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के बारा सर्किल अंतर्गत लालापुर थाना क्षेत्र में शाम ढलते ही कानून के इकबाल को चुनौती देते हुए ओवरलोड वाहनों का तांडव शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे दिन की रोशनी कम होती है, खनन और गिट्टी से लदे भारी ट्रक और डंपर सड़कों पर काल बनकर दौड़ने लगते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलते ही ओवरलोड गाड़ियों की लंबी कतारें मुख्य मार्गों पर देखी जा सकती हैं। ये वाहन न केवल क्षमता से कई गुना अधिक भार ढो रहे हैं, बल्कि तेज़ रफ्तार और लापरवाही ने आम राहगीरों का सड़क पर निकलना दूभर कर दिया है। मानक से अधिक ऊंचाई तक लदे पत्थर,गिट्टी और बालू के कारण आए दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही हैं। भारी वाहनों के निरंतर दबाव के कारण क्षेत्र की नव-निर्मित सड़कें भी दम तोड़ रही हैं। जगह-जगह हुए गहरे गड्ढे अब तालाब का रूप ले चुके हैं। इसके अलावा, बिना ढके ले जाए जा रहे रेत और धूल के कारण पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल-हैरानी की बात यह है कि पुलिस और परिवहन विभाग की नाक के नीचे से यह 'ओवरलोडिंग का खेल' बेखौफ चल रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, जिससे इन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। 'शाम के बाद सड़क पर चलना जान हथेली पर रखने जैसा है। बड़े-बड़े डंपर पूरी सड़क घेर लेते हैं और उनके शोर से घर में बैठना भी मुश्किल हो जाता है।' लगातार हो रहे हादसे-ओवरलोड ट्रकों के कारण लालापुर क्षेत्र में आये दिन हादसे हो रहे हैं, कभी बिजली का पोल तोड़ देते हैं तो कभी किसी छोटे वाहन को टक्कर मार देते हैं। कुछ दिन पहले एक ट्रक ने स्कूली छात्रा को टक्कर मार दिया था, जिसमे छात्रा तो बच गई लेकिन उसकी साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। इसी तरह दो दिन पूर्व लालापुर प्रतापपुर रोड पर ओवरलोड ट्रक बिजली का पोल तोड़ दिया था, जिसमे कई घण्टे बिजली बाधित रही।

कॉम्फेस्ट 2026 में छात्र-छात्राओं ने जमकर लगाए ठुमके,छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक समारोह ने किया सबका मनोरंजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शक्तिनगर/सोनभद्र। महात्मा रवीना और गरिमा ने सोलो डांस के माध्यम से वहां मौजूद छात्रों

गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी शक्तिनगर वाणिज्य विभाग की ओर से गुरुवार को परिसर स्थित अंबेडकर भवन में कॉम्फेस्ट 2026 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर छात्र-छात्राओं ने अपने प्रतिभा का परिचय देते हुए लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।छात्रा जास्मीन और नीतू ने ग्रुप डांस कर लोगों की वाहवाही लूटी। बी. कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा को डांस करने के लिए मजबूर कर दिया। फिल्मी धुनों के साथ-साथ भोजपुरी गीतों पर भी छात्रों ने जमकर ठुमके लगाये। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए परिसर के वरिष्ठ शिक्षक डॉ0 मानिकचंद पाण्डेय और डॉ0 मृत्युंजय कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं। विद्यार्थियों को अपने जीवन में अनुशासन को अपनाकर भविष्य निर्माण के लिए आगे बढ़ाने की जरूरत है। संस्था के प्रभारी डॉ0 प्रदीप कुमार यादव ने भी छात्रों को ऑनलाइन अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में छात्र-छात्राओं को अपडेट रहने की जरूरत है ताकि वह हर परिस्थिति का सामना कर सकें। स्वागत भाषण छात्रा ममता ने दिया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। समारोह का संचालन गरिमा त्रिपाठी तथा पूर्णिमा ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन अभिषेक कुमार ने दिया।

गुरु के आशीर्वाद से राजा दशरथ जी को चार- पुत्र हुएःयज्ञाचार्य सौरभ भारद्वाज

बरैला महादेव मंदिर में चल रहा श्रीअभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रावटसगंज के बरेला

महादेव मंदिर पर चल रहे श्रीअभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ के चतुर्थ दिवस में यज्ञाचार्य

सौरभ भारद्वाज ने मानस की चौपाई कथा जो सकल लोक हितकारी। सो पूछन चंह शैल कुमारी।। अर्थात भगवती पार्वती जी ने महादेव से कथा जो समाज में मनुष्य पशु पक्षी जन का कल्याण करें वह कथा सुनने के लिए कहती हैं। महादेव प्रसन्न होकर के भगवती पार्वती को कथा श्रवण कराते हैं सर्वप्रथम भगवान के जन्म के कारण क्या थे इसके विषय में शंकर जी ने कथा श्रवण कराया। एक बार भूपति मन माही। भए गलानी मोरो सुतनाही।। अर्थात एक बार श्री राजा दशरथ जी के मन में ग्लानि हुई कि हमें संतान नहीं है तब राजा दशरथ अपने गुरु वशिष्ठ जी के आश्रम गए और गुरु के आशीर्वाद से राजा दशरथ जी को चार-चार पुत्र हुए राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न। इसलिए गुरु की कृपा हो जाए तो सभी काम अपने आप बन जाते हैं क्योंकि श्री रामचंद्र जी ने रामचरितमानस में उत्तराखंड में चौपाई के माध्यम से कहा गुरु वशिष्ठ कुल पूज्य हमारे। तिनकी कृपा दनुज रन मारे।। इसलिए हमारे प्रथम गुरु हैं मां द्वितीय पिता एवं तृतीय दीक्षा गुरु एवं शिक्षा गुरु ही श्रेष्ठ है। वहीं पर श्री राम कथा में पधारी राष्ट्रीय कथा वाचिका देवी शिवानी ने नारद मोह प्रसंग सुनाया। प्रातः काल बेला में देवाधिदेव महादेव श्री बरैला नाथ का रुद्राभिषेक रॉबर्ट्सगंज से आए जागृति योग प्रशिक्षण केंद्र के अनीता गुप्ता 11 मातृशक्ति एवं संदीप केसरी, संजय राय, के द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन वंदन किया गया। वेद मित्रों की ध्वनि से क्षेत्र हो रहा है गूंजयमान। यज्ञ कमेटी के संरक्षक अरविंद शरण सिंह ने सभी भक्त जनों से निवेदन किया कि 12 अप्रैल तक शाम 6:00 से रात्रि 10:00 तक आगंतुक कथावाचक पंडित धर्मराज शास्त्री विंध्याचल एवं पंडित प्रकाश चंद्र विद्यार्थी जौनपुर दिव्य प्रवचन का जरूर लाभ उठाएं और साथ में वर्षी यज्ञ सकुशल संपन्न हो 13 तारीख को प्रसाद वितरण भंडारा का कार्यक्रम सफल हो।

सरकार बारिश से फसलों के हुए नुक़सान की भरपाई हेतु किसानों को दें मुआवजा - रवि राघव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय किसान यूनियन

भूमि पुत्र के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रवि राघव ने प्रदेश सरकार से बेमौसम बारिश और प्रदेश में हुई ओलावृष्टि से खराब हुई फसल के लिए किसानों के लिए मुआवजा की देने मांग की है किसान नेता ने कहा है बे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रदेश के कई जिलों में किसानों की फसल खराब हो गई है और इसके कारण किसानों का बहुत नुकसान हुआ है इसके कारण किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है ।अतः इस मामले में सरकार को संज्ञान लेकर किसानों को उचित मुआवजा देना चाहिए।

थाना घोरावल की साइबर टीम द्वारा फ्रॉड की धनराशि रु19,000- करायी गयी वापस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदक शिवम पाण्डेय पुत्र बृजेश कुमार पाण्डेय निवासी ग्राम बेलवनिया थाना घोरावल जनपद सोनभद्र के साथ दिनांक 19.11.2025 को रु19,000/- का साइबर फ्रॉड हो गया था, जिसके संबंध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर अपराध नियंत्रण अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल श्री राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक घोरावल श्री बृजेश सिंह के नेतृत्व में थाना घोरावल की साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन करते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही की गई। तत्पश्चात दिनांक 07.04.2026 को आवेदक की संपूर्ण धनराशि रु19,000/- सफलतापूर्वक वापस कराई गई। आवेदक द्वारा उ0प्र0 पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए साइबर टीम की सराहना की गई। धनराशि वापस कराने वाली पुलिस टीमः- बृजेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना घोरावल,का0 योगेश मिश्र, साइबर हेल्प डेस्क, का0 नितीश राज, साइबर हेल्प डेस्क,नोटः साइबर अपराध से संबंधित किसी भी घटना की शिकायत हेतु तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।

चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता-चोरी की घटना का शत-प्रतिशत अनावरण, 02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का माल व अवैध गांजा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र अनिल कुमार कुशल पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर सोनभद्र रणधीर मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 नफर शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 08.04.2026 को समय 01:05 बजे रेलवे क्रासिंग ओवरब्रिज के उत्तरी छोर बारी डाला से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से चोरी किया गया माल बरामद किया गया, जिसमें एक जोड़ा झुमका, एक नथिया, मंगलसूत्र का लॉकेट, सफेद धातु के चार जोड़ा पायल, दो जोड़ा बिछिया, एक जोड़ा चूड़ी, एक आधार कार्ड, रु15,000/- नकद व कुल 07 अदद मोबाइल फोन शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्त अनिल गुप्ता के कब्जे से उपरोक्त चोरी के सामान के अतिरिक्त 01 किलो 250 ग्राम नाजायज गांजा भी बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-.अनिल गुप्ता पुत्र शंभू गुप्ता निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष। हनुमान बंसल पुत्र गांधी बंसल निवासी मलीन बस्ती डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष। बरामदगी का विवरण - एक जोड़ा झुमका, एक नथिया, मंगलसूत्र का लॉकेट, सफेद धातु के चार जोड़ा पायल, दो जोड़ा बिछिया, एक जोड़ा चूड़ी, एक आधार कार्ड, रु15,000/- नकद, कुल 07 अदद मोबाइल फोन एवं 01 किलो 250 ग्राम नाजायज गांजा।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-.प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्र, थाना चोपन जनपद सोनभद्र,.उ0नि0 घनश्याम तिवारी, चौकी प्रभारी डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र,.हे0का0 सीताराम यादव, चौकी डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र,हे0का0 शिवशरण राम, चौकी डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र.हे0का0 हरिसिंह यादव, चौकी डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र,का0 गोविन्द कुमार, चौकी डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। एचआर आईटी यूनिवर्सिटी,

गाजियाबाद में तीन दिवसीय आयोजित 16वीं सीनियर, 15वीं जूनियर एवं 15वीं सब-जूनियर नेशनल ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में दिल्ली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 पदक जीतकर राजधानी का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में दिल्ली के 34 खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने उत्कृष्ट खेल, अनुशासन एवं टीम भावना से सभी का ध्यान आकर्षित किया। दिल्ली टीम की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे दिल्ली ड्रॉप रोबॉल के जनरल सेक्रेटरी जितेंद्र गुर्जर का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने खिलाड़ियों की तैयारी, टीम चयन, समन्वय और सम्पूर्ण प्रबंधन में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व और सतत प्रयासों का ही परिणाम रहा कि दिल्ली दल ने राष्ट्रीय मंच पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं, मीडिया प्रभारी धीरेंद्र अवाना ने अपने सक्रिय सहयोग और निरंतर उत्साहवर्धन से टीम का मनोबल बढ़ाए रखा। टीम के कोच सतीश सिंह बैसोया ने खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उनके खान-पान, अनुशासन और देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया। सीनियर वर्ग में सार्थक बैसोया, युवराज सिंह बैसोया और दक्ष बैसोया ने गोल्ड मेडल जीतकर दिल्ली को गौरवान्वित किया, जबकि सचिन खटाना, ऋषि खटाना, मानव बैसोया और तनिष्क खटाना ने सिल्वर मेडल अपने नाम किए। जूनियर वर्ग में स्पर्श बैसोया, ऋषभ बैसोया और कृष्णा बैसोया ने सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि सारांश बैसोया, प्रीत भढ़ाना और सोहान अम्बावता ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर दिल्ली की झोली में सफलता जोड़ी। वहीं सब-जूनियर वर्ग में कविश बैसोया ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर दिल्ली के लिए एक और उपलब्धि दर्ज की। इस शानदार उपलब्धि पर जितेंद्र गुर्जर ने सभी खिलाड़ियों, अभिभावकों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरी दिल्ली टीम की एकजुट मेहनत, समर्पण, अनुशासन और लगन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में दिल्ली के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का मार्मिक बर्णन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 34 सामुदायिक केंद्र

में श्रीमद्भागव तृतीय दिवस पर कथा सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत आज कथा व्यास पूज्य पंडित पूरन चन्द्र पांडेय यशस्वी जी महाराज द्वारा विभिन्न दिव्य प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिससे श्रद्धालु भक्तगण भक्ति एवं ज्ञान से अभिभूत हो उठे। कथा में शुक्रदेव द्वारा राजा परीक्षित को भगवान के विराट स्वरूप का विस्तृत वर्णन करते हुए निरंतर भगवान के ध्यान में लीन रहने का उपदेश दिया गया। साथ ही ब्रह्मा जी द्वारा नारद जी को चतुश्लोकी भागवत के माध्यम से सृष्टि के रहस्य एवं क्रम का विस्तारपूर्वक निरूपण किया गया।भगवान श्रीकृष्ण की सरलता और भक्तवत्सलता का वर्णन करते हुए बताया गया कि उन्होंने विदुर जी की कुटिया में साग ग्रहण कर उन्हें कृतार्थ किया। इसके अतिरिक्त ब्रह्मा जी द्वारा सनकादि सहित दस पुत्रों की उत्पत्ति एवं उनके द्वारा सृष्टि विस्तार की आज्ञा का पालन न करने का प्रसंग भी सुनाया गया।पृथ्वी के उद्धार हेतु भगवान द्वारा वराह अवतार धारण कर हिरण्याक्ष का संहार कर धरा को पुनः स्थापित करने की कथा ने सभी को भावविभोर कर दिया। आगे कर्दम ऋषि एवं देवहूति जी के विवाह तथा भगवान कपिल जी के अवतरण का वर्णन किया गया, जिसमें कपिल जी ने अपनी माता को भगवत प्राप्ति का मार्ग बताया। बालक ध्रुव की कठोर तपस्या एवं अटूट भक्ति के माध्यम से भगवान को प्राप्त कर ध्रुवलोक की प्राप्ति का प्रेरणादायक प्रसंग भी सुनाया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भक्ति मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। अंत में राजा प्रियव्रत द्वारा पृथ्वी को सात द्वीपों में विभाजित करने, खगोलीय ज्ञान तथा विभिन्न नरकों के विस्तृत वर्णन का भी उल्लेख किया गया। इस अवसर पर प्रवीन शर्मा, प्रमोद शर्मा,नंद कुमार यादव,एस. के. सिंघल, वेद प्रकाश तिवारी, आर पी तिवारी, शशिकांत शर्मा, यस पी चमोली, जगदीश जोशी, मनीष दीक्षित, सुलेखा ध्यानी, संगीता सिंह, सिमरन, नीलम जोशी, ऋतु उपाध्याय, नीतू ढाका, पुष्पा भारद्वाज, प्रेमा लखचौरा, अरुणा रावत, सहित अनेक श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित रहे।

नोएडा के डिग्री कॉलेज में शालिनी सिंह का निरीक्षण, खेल और डिजिटल सुविधाओं को मिलेगा नया आयाम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सामाजिक कार्यकर्ता

शालिनी सिंह एवं युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह द्वारा सेक्टर-39 स्थित डिग्री कॉलेज का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कॉलेज की प्राचार्या अनिता मिश्रा, छात्र-छात्राओं एवं अन्य फैकल्टी सदस्यों के साथ संवाद कर डिग्री कॉलेज में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान शालिनी सिंह ने विशेष रूप से कॉलेज में खेल सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और अपनी 'खेल क्रांति' मुहिम के तहत इन्हें और सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के लिए आधुनिक बॉस्केटबॉल कोर्ट, सिंथेटिक ट्रैक तथा अन्य खेलों से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे छात्रों को बेहतर अवसर मिल सकें और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। इसके साथ ही शालिनी सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह पहल छात्रों की पढ़ाई को अधिक इंटरएक्टिव और प्रभावी बनाएगी तथा उन्हें आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने में मदद करेगी। कॉलेज की प्राचार्या अनिता मिश्रा ने इस पहल के लिए शालिनी सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास कॉलेज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और छात्रों को नई दिशा प्रदान करेंगे। शालिनी सिंह बताया कि हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को खेल और तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाना है। 'खेल क्रांति' के जरिए हम हर संस्थान में बेहतर खेल सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि हमारे युवा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बन सकें। साथ ही डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से हम उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहते हैं। इस अवसर पर रवि पारचा, योगी शर्मा, और कॉलेज के फैकल्टी मौजूद रहे।

सक्षम एनसीआर का भव्य शुभारंभ - समावेशी और सशक्त समाज की ओर एक ऐतिहासिक पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर आज युवा क्रांति सेना के द्वारा 'सक्षम

एनसीआर' पहल का आधिकारिक शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य नोएडा एवं एनसीआर क्षेत्र को दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए पूर्णतः सुलभ और समावेशी बनाना है। युवा क्रांति सेना द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत अगले एक वर्ष में 5000 हजार से अधिक सार्वजनिक स्थानों और इंडस्ट्रीज पर रैंप निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे हजारों लोगों को सुरक्षित, सरल और सम्मानजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।इस पहल का शुभारंभ एनईसी के अध्यक्ष ललित ठुकराल, सेना की संरक्षक शालिनी सिंह, चेयरमैन लोकेश चौहान तथा अध्यक्ष अविनाश सिंह, आकाश शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर शालिनी सिंह ने कहा कि सक्षम एनसीआर केवल रैंप निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, आत्मनिर्भरता और समान अवसर प्रदान करने का एक संकल्प है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा समाज बनाना है, जहां कोई भी व्यक्ति शारीरिक बाधाओं के कारण पीछे न रह जाए। इस अभियान में नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर का विशेष सहयोग रहेगा। नोएडा, जिसे 'सिटी ऑफ अपैरल' के रूप में जाना जाता है, वहां स्थित 1250 से अधिक एक्सपोर्ट उद्योग इकाइयों को भी इस पहल के अंतर्गत सुलभ बनाया जाएगा। रैंप निर्माण के माध्यम से इन इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों, आगंतुकों एवं दिव्यांगजनों के लिए सहज और सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित की जाएगी, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में भी समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा जिसके लिए क्लस्टर के अध्यक्ष ललित ठुकराल ने इंडस्ट्री को पत्र लिखने को भी कहा। इसी क्रम में, इस अवसर पर सेक्टर 41 स्थित सखा एक पहल द्वारा संचालित एनसीआर के प्रथम क्रोशिया स्कूल का भ्रमण भी किया गया। यहां विभा चुघ एवं उनकी समर्पित महिला टीम से मुलाकात हुई। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्कृष्ट उत्पाद न केवल उनकी रचनात्मकता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी प्रमाणित करते हैं कि आज की नारी आत्मनिर्भर, सशक्त और आर्थिक रूप से सक्षम बन रही है। यह पहल महिला सशक्तिकरण का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त, टीम द्वारा वैगनिंग टेल के डॉग शेल्टर्स का भी दौरा किया गया। यहां पशु कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया, जहां बेसहारा और जरूरतमंद पशुओं को सुरक्षित आश्रय, चिकित्सा सुविधा और देखभाल प्रदान की जा रही है। यह दौरा समाज के प्रति संवेदनशीलता और हर जीव के प्रति करुणा की भावना को और मजबूत करने वाला रहा।

गलगोटिया में ई-बाइक फाइनल्स 2026 संपन्न, देशभर की टीमों में कड़ी टक्कर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गलगोटिया विश्व

विद्यालय में आईएसआईई (Imperial Society of Innovative Engineers) द्वारा आयोजित ई-बाइक फाइनल्स 2026 का समापन उत्साह और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच हुआ, जिसमें देशभर के इंजीनियरिंग संस्थानों की टीमों ने भाग लेकर तकनीकी कौशल और नवाचार का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र की टीम एयरावत ने ओवरऑल विजेता का खिताब जीता जबकि आर.वी.आर. एंड जे.सी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आंध्र प्रदेश की टीम फाल्कन प्रथम रनर-अप और गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा की टीम मेकालाइट्स द्वितीय रनर-अप रही। विशेष पुरस्कारों में थियागरजर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु की टीम यूरेका को बेस्ट ड्यूरेबिलिटी, टीम एयरावत को बेस्ट सेल्फ-मैन्युफैक्चर्ड व्हीकल व ड्यूरेबिलिटी रनर-अप, अमृतवाहिनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, महाराष्ट्र की टीम ब्रह्मा को बेस्ट एक्सेलेरेशन, टीम फाल्कन को बेस्ट ऑफ-रोड टेस्टिंग, टीम मेकालाइट्स को ऑफ-रोड रनर-अप व फ्यूचर अवॉर्ड, श्री रायेश्वर इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी, गोवा की टीम अल्टीमेट को बेस्ट हिल क्लाइंब तथा ए.पी. शाह इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराष्ट्र की टीम मॉडिफाइड ऑटो क्लब को बेस्ट विमेन पार्टिसिपेशन का सम्मान मिला। विशेष रूप से टीम मेकालाइट्स ने तीन प्रमुख उपलब्धियां हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जो विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक सुविधाओं और संस्थान की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व उनकी टीम का परिणाम रहा। यह प्रतियोगिता ई-मोबिलिटी में नवाचार को बढ़ावा देने के साथ छात्रों और उद्योग के बीच की दूरी कम करने तथा भविष्य के इंजीनियरों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुई।

मिशन शक्ति'5.0 के अंतर्गत एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु बासंतिक नवरात्रि

के पर्व पर 19 मार्च, 2026 से 30 दिवसीय 'मिशन शक्ति'5.0 विशेष अभियान के द्वितीय चरण की जारी कार्ययोजना के क्रम में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता के निर्देशानुसार व जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में 'मिशन शक्ति'5.0 के विशेष अभियान के अन्तर्गत 'कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013' पर आधारित एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन आधारशिला कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल कोर्सेज में किया गया। जिसमें कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013, पॉश एक्ट की समस्त धाराओं एवं शी बाक्स पोर्टल की समस्त प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। समस्त जिला स्तरीय सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों, प्रतिष्ठान, उपक्रमों आदि में अन्तरिक परिवाद समिति का गठन कर गठित समिति की सूचना सहज दृश्य स्थान/नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया जाना अनिवार्य है, यदि उक्त समिति का गठन नहीं किये जाने पर पॉश एक्ट के अन्तर्गत जुर्माने का प्राविधान है। कार्यशाला के अन्त में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में एच0ई0डब्लू0 से जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, काउंसलर श्रद्धा सिंह, केस वर्कर अर्चना सिन्हा, कॉलेज की कार्यक्रम प्रबंधिका डॉ बबीता सिंह, प्रो0 विराट, दिग्विजय, आकांक्षा वर्मा, आयुषी मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

थाना घोरावल पुलिस की बड़ी कामयाबी-गो-तस्करी पर कड़ा प्रहार,04 शातिर गो-तस्कर गिरफ्तार, एक अदद पीकप वाहन से 12 गोवंश बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में गो-तस्करी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल श्री राहुल पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक घोरावल श्री बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई। दिनांक 07/08.04.2026 को रात्रि गश्त के दौरान चौकी शिवद्वार क्षेत्र में 04 नफर गो-तस्कर अभियुक्तों को 12 अदद गोवंश (09 बछिया व 03 बछड़ा) को पिकअप वाहन पर वध हेतु लोड करते समय गिरफ्तार किया गया। मौके से 02 अन्य अभियुक्त अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। जिनकी तलाश जारी है। बरामद पिकअप वाहन को धारा 207 एमवी एक्ट के अंतर्गत सीज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण

-1.चांद मोहम्मद उर्फ सोनू उर्फ डब्बू पुत्र शिराजुद्दीन उर्फ कल्लू निवासी खुटहनिया थाना करमा जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 22 वर्ष। 2.चांद बाबू उर्फ चन्दा पुत्र मलऊ निवासी बेलवनिया थाना घोरावल जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 25 वर्ष। 3.जमालुद्दीन पुत्र सुलेमान निवासी गुरुवल थाना घोरावल जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 24 वर्ष। 4.संदीप कुमार मौर्य पुत्र जगराम मौर्य निवासी तीनताली थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 22 वर्ष। वांछित अभियुक्तगण -1.आसिक रजा उर्फ नेता पुत्र मुस्तफा निवासी खुटहनिया थाना करमा जनपद सोनभद्र। 2.मजीब उर्फ मण्डी पुत्र मुन्नू धुनिया निवासी बेलवनिया थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। बरामदगी -12 अदद गोवंश (09 बछिया व 03 बछड़ा) 01 अदद पिकअप वाहन संख्या ळइ64 ण्ऊ 1108,गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम - 1. उ0नि0 कवीन्द्र सिंह यादव, चौकी प्रभारी शिवद्वार, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 बृजेश राय, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 3.हे0का0 महेन्द्र कुमार, चौकी शिवद्वार, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 4.हे0का0 रणजीत सिंह, चौकी शिवद्वार, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 5.हे0का0 विपिन कुमार, चौकी शिवद्वार, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र।6.हे0का0 राजेश सिंह यादव, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 7.हे0का0 रामनारायण यादव, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 8.हे0का0 आशुतोष राय, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र।

पनौरा के शिक्षामित्र संतोष यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश

करीब 5 माह पूर्व आदिवासी महिला को भगाकर अपने पास रखने का है आरोप,विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र की कोर्ट ने प्रभारी निरीक्षक मांची को सीओ से विवेचना कराने व परिणाम से अवगत कराने का दिया आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 5 माह पूर्व पनौरा के शिक्षामित्र संतोष यादव द्वारा आदिवासी महिला को भगाकर अपने पास रखने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने प्रभारी निरीक्षक मांची को एफआईआर दर्ज करने व सीओ से मामले की विवेचना कराने के साथ ही परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है। यह आदेश मांची थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 48 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति द्वारा अधिवक्ता नरेंद्र प्रताप सिंह के जरिए दाखिल 173(4) बीएनएसएस प्रार्थना पत्र पर दिया गया है। दिए प्रार्थना पत्र में आदिवासी व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि 4 नवंबर 2025 को उसकी 45 वर्षीय पत्नी अचानक गायब हो गई। जिसे हर संभावित जगह तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसीबीच 20 नवंबर 2025 को मांची थाना क्षेत्र के पल्हारी गांव निवासी संतोष यादव पुत्र रामदुलारे जो पनौरा में शिक्षामित्र है की पत्नी व गांव घर के लोगों ने बताया कि उसकी पत्नी को शिक्षामित्र संतोष यादव भगाकर ले गया है। इसकी जानकारी होने पर 21 नवंबर 2025 को शिक्षामित्र संतोष यादव से पनौरा विद्यालय पर जाकर मिला।जब अपनी पत्नी के बारे में पूछताछ करने लगा तो उसका हाथ पकड़ कर विद्यालय के बाहर ले आया और जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए पटक दिया, जिससे उसे चोट लग गई। उसने यह धमकी दिया कि अगर ज्यादा चिल्लाओगे तो तुम्हें जान से मरवाकर फेंकवा दूंगा तथा तुम्हारी पत्नी को राजस्थान वालों को बेच दूंगा। राहगीरों ने घटना को देखा और बीच बचाव किया। घटना की सूचना पनौरा चौकी पर उसी दिन दिया, लेकिन पुलिस ने मांची थाने पर जाने को कहा। मांची थाने के दीवान ने कहा कि कोर्ट से आदेश कराओ तब शिक्षामित्र संतोष यादव को पकड़ेंगे। 24 नवंबर 2025 को घटना की सूचना एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से भेजा, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने अधिवक्ता नरेंद्र प्रताप सिंह के तर्कों को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए पुलिस द्वारा विवेचना कराया जाना आवश्यक मानते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया। साथ ही प्रभारी निरीक्षक मांची को पनौरा के शिक्षामित्र संतोष यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ ही सीओ से विवेचना कराने व परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है।

जिलाधिकारी ने अवगत कराया 'स्वाभिमान पर्व' का आयोजन कराया जाना हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0

सिंह ने अवगत कराया है कि स्वाभिमान पर्व का आयोजन कराया जाना हैं जनपद सोनभद्र के मूल/ स्थायी निवासियों में से समूह के एक-एक व्यक्ति का चयन किया जाना है जिसके लिए समूह शॉपकीपर्स, हाकर्स, स्ट्रीट वेण्डर्स मार्केट एसोसिएशन, समूह महिलाएं, समूह गिग वर्कर्स, समूह विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी, समूह यंग प्रोफैशनल्स एमबीए स्टूडेन्टस, कार्पोरेट क्षेत्र के प्रतिनिधि, विद्यार्थी, कर्मचारी, स्टार्टअप के सीईओ आदि (उम्र 40 वर्ष से कम), समूह सीनियर सीटीजन, समूह विज्ञान प्रौद्यगिकी एमएसई तथा तकनीकी सेवाओं के कर्मचारी, समूह वॉलन्टियर युवा विजेता, नॉन टैक्निकल क्षेत्र के सफल व्यक्ति, अखाड़ा, शिव मन्दिर और आध्यात्मिक संस्थाओं के सदस्य, समूह प्रदेश की सीमावर्ती गांव के व्यक्ति प्रदेश के कलाकार, समूह पोस्टमैन, रेलवे स्टाफ , सफाई कर्मचारी, ड्राइवर्स आदि सेवाओं के लोग। समूहों से सम्बन्धित व्यक्तियों/संस्थाओं से सोमनाथ धाम की यात्रा हेतु चयन किये जाने के लिए स्वस्थ और स्वच्छ छवि वाले इच्छुक जनपद सोनभद्र के मूल निवासियों से दिनांक 15.04.2026 के सायं 05:00 बजे तक जिला सूचना कार्यालय/जिला पर्यटन संस्कृति परिषद कार्यालय कक्ष संख्या-57 विकास भवन में स्वस्थता प्रमाण पत्र (मेडिकल फिटनेस सर्टीफिकेट) तथा किसी भी प्रकार के अपराधिक कृत्य में संलिप्त न होने का प्रमाण पत्र (पुलिस चरित्र प्रमाण पत्र) के साथ-साथ आधार कार्ड की दोनो तरफ की प्रति तथा दो फोटो और मो0नं0 के साथ जमा किया जा सकता है। पात्र व्यक्ति का चयन लॉटरी के आधार पर किया जायेगा। लॉटरी ड्रा करने की सूचना समय, तिथि व स्थान के लिए अलग से समाचार पत्र के माध्यम से अवगत कराया जायेगा।

फार्मर रजिस्ट्री कैम्प में अनुपस्थित पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी के विरूद्ध होगी कार्यवाही-जिलाधिकारी,फार्मर रजिस्ट्री के विशेष कैम्प में अनुपस्थित लेखपाल को जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण जारी करने के दिये निर्देश

फार्मर रजिस्ट्री न कराये जाने से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त हो सकती है अवरूद्ध-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। फार्मर रजिस्ट्री हेतु कल ग्राम पंचायत परही में कैम्प का

आयोजन किया गया था जिसमें उक्त कैम्प का निरीक्षण उप निदेशक कृषि द्वारा किया गया मैके पर परही ग्राम के लेखपाल कंचन मौर्या अनुपस्थित पायी गयी लेखपाल के अनुपस्थित पाये जाने के खबर को जिलाधिकारी ने संज्ञान में लेकर लेखपाल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये और कहा कि फार्मर रजिस्ट्री कैम्प में यदि कोई अधिकारी कर्मचारी अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, यह शासन की शीर्ष प्राथमिकता वाली योजना है। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि मा0मुख्यमंत्री, जी के निर्देश के क्रम में जनपद के ग्राम पंचायतों में फार्मर रजिस्ट्री बनाये जाने हेतु विशेष शिविर ग्राम पंचायतों में आयोजित कर कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने हेतु कार्य किया जा रहा है यह अभियान जनपद में दिनांक 06.04.2026 से प्रारम्भ हुआ है जो दिनांक 15.04.2026 तक नामित ग्राम पंचाचत के सचिवालय में फार्मर रजिस्ट्री विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक/ए0टी0एम0/ बी0टी0एम0, राजस्व विभाग के क्षेत्रीय लेखपाल, पंचायती राज विभाग के पंचायत सहायक, पंचायत सचिव की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पंचायतों में अवशेष कृषको की फार्मर रजिस्ट्री मिशन मोड में बनायी जा रही है, सम्बंधित ग्राम प्रधान तथा कोटेदार द्वारा अवशेष कृषकों को प्राथमिकता के आधार पर ग्राम सचिवालय में उपस्थिति सुनिश्चित करायी जा रही है जिससे अवशेष कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री बनाया जा सकें। जिन कृषकों की खतौनी में नाम आधार से मिसमैच होने या आदेश कालम में होने से फार्मर रजिस्ट्री नहीं बन पा रही है उन कृषकों का नाम संशोधन हेतु अभिलेख क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा प्राप्त कर संशोधन की अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है, फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे कृषक विभिन्न योजनाओं यथा-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फसली ऋण, गुणवत्ता पूर्ण बीज एवं उर्वरक, फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विक्रय इत्यादि सहित अन्य योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त कर सकें। फार्मर रजिस्ट्री न कराये जाने से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त अवरूद्ध हो सकती है।

नीति आयोग के नोडल अधिकारी डॉ. मुथु कुमार स्वामी का सोनभद्र दौरा, शिक्षा गुणवत्ता व महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। संयुक्त सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार एवं नीति आयोग के नोडल अधिकारी डॉ0 मुथु कुमार स्वामी बी0 ने आज पीएम श्री राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज, रॉबर्ट्सगंज का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक सुविधाओं, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर शिक्षा एवं लाइफ स्किल्स प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने छात्राओं से सीधे संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर, जागरूकता एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें निरंतर मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. स्वामी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु उन्हें जनपद के प्रमुख ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं औद्योगिक स्थलों का शैक्षिक भ्रमण कराया जाए, जिससे उन्हें स्थानीय संसाधनों एवं विद्युत उत्पादन केंद्रों की जानकारी मिल सके और उनका व्यावहारिक ज्ञान बढ़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केकराही स्थित सोया मिल्क एवं पनीर उत्पादन इकाई का निरीक्षण किया, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्पादन, पैकेजिंग एवं विपणन कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है। स्वयं सहासता समूह की महिलाओं द्वारा सोया पनीर के गुणवत्ता के बारे में बताया कि सोया पनीर (टोफू) प्रोटीन कैल्शियम और कई खनिजों से भरपूर होता है जो हड्डीयों को मजबूत बनाता है और मांसपेशियों के विकास में मदद करता है वजन घटाने और हृदय स्वस्थ्य में सुधार करता है, दूध से एलर्जी (लैक्टोज इनटॉलेरेंस) वालों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो कैंसर के जोखिम को कम करने और मधुमेह प्रबंधन में सहायक है। सोया पनीर की गुणवत्ता को देखते हुए उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि उत्पादों की बिक्री को होटल, रेस्टोरेंट एवं स्थानीय बाजारों से जोड़कर विस्तार दिया जाए, जिससे समूह की आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा किए जा रहे सिलाई कार्य का भी अवलोकन किया और सुझाव दिया कि उन्हें विद्यालयों में यूनिफॉर्म सिलाई जैसे कार्यों से जोड़ा जाए, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का विडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से हुआ आयोजन, जनगणना में 22 मई से होगी प्रारम्भ

जनगणना हेतु बनाये गये कन्ट्रोल रूम का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण,जनगणना कन्ट्रोल रूम में सभी आवश्यक व्यवस्थाये सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु निवासी स्वयं अपने घर एवं परिवार से संबंधित 34 प्रश्नों का उत्तर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भरकर प्रस्तुत कर सकेंगे। यह स्व-

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से आज एन0आई0सी0 में किया गया, उन्होने कहा कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 22 मई, 2026 से प्रारम्भ होकर 20 जून, 2026 तक सम्पन्न कराया गणना प्रक्रिया एच0एल0ओ0 प्रक्रिया प्रारम्भ होने के 15 दिन पूर्व, दिनांक 07 मई, 2026 से 21 मई, 2026 तक संचालित की जाएगी। स्व-गणना प्रक्रिया का क्रियान्वयन जनपद में मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन एवं जिला पंचायतराज अधिकारी की देखरेख में कराया जाएगा। जनपदवासियों से अपील

जाना है। उक्त कार्य के सफल संचालन हेतु राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। प्रशिक्षण सम्मेलन में महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त श्री मृत्युजंय कुमार नारायण व निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश श्रीमती शीतल वर्मा द्वारा प्रदेश में संचालित जनगणना कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, उन्होंने जनगणना की समस्त प्रक्रिया, समय-सीमा एवं कार्य निष्पादन की पद्धति पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कार्य को शुद्धता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने पर बल दिया। जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना-2026 में मई माह से प्रारम्भ होगी, पहली बार जनपद स्तर पर स्व-गणना की व्यवस्था लागू की गई है। इसके अंतर्गत की गई है कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करते हुए सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराये, इस दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित जनगणना कन्ट्रोल रूम कक्ष का भी निरीक्षण किये निरीक्षण के दौरान उन्होने सम्बान्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी मूलभूत आवश्यक व्यवस्थायें उपलब्ध करायी जाये। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट उत्कर्ष द्विवेदी, अर्थ एव संख्या अधिकारी संता पाल वर्मा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जगरूप पटेल नाजिर कलेक्ट्रेट बाबूलाल, जिला प्रभारी जनगणना प्रियासा सिंह, ई0डी0एम0 दिव्यतोष मिश्रा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निजामूद्दीन सहित अन्य सम्बन्धिगण उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

क्या डेविड मिलर के पागलपन के बारे में 11 साल पहले जानते थे जोफ्रा आर्चर? डीसी बनाम जीटी मैच के बाद वायरल हुआ ट्वीट

नई दिल्लीः क्रिकेट जगत में जोफ्रा आर्चर को उनके पुराने

ट्वीट्स के लिए भविष्यवक्ता माना जाता है और आईपीएल 2026 के दौरान एक बार फिर उनकी 11 साल पुरानी बात सच साबित हुई है। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच बुधवार रात हुए हाई-वोल्टेज मुकाबले के बाद आर्चर का साल 2013 का एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। क्या था वो वायरल ट्वीट? जोफ्रा आर्चर ने 10 नवंबर 2013 को ट्वीट किया था, 'मिलर मैड? ऐग्म्वूं 11:30'। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली में खेला गया यह मैच भी रात के लगभग 11:40 बजे समाप्त हुआ। आर्चर का यह ट्वीट उस समय का था जब दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच पोर्ट एलिजाबेथ में वनडे मैच चल रहा था, जिसे पाकिस्तान ने मात्र 1 रन से जीता था। बुधवार को गुजरात और दिल्ली के बीच का अंत भी ठीक वैसा ही रहा। दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर ने गुजरात के गेंदबाजों की जमकर धुलाई की। उन्होंने मात्र 20 गेंदों में 41 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 205 का रहा। मोहम्मद सिराज के डाले गए 19वें ओवर में मिलर ने 23 रन कूटकर दिल्ली की मैच में वापसी करा दी थी। जीत के लिए आखिरी 3 गेंदों पर 8 रनों की जरूरत थी। मिलर ने एक गगनचुंबी छक्का जड़कर समीकरण बेहद आसान कर दिया था। लेकिन ड्रामा तब शुरू हुआ जब ओवर की पांचवीं गेंद पर मिलर ने सिंगल लेने से इनकार कर दिया। ऐसा लगा कि उन्हें अपने पार्टनर कुलदीप यादव पर भरोसा नहीं था। प्रसिद्ध कृष्णा की आखिरी गेंद स्लोअर डिलीवरी थी, जिसपर मिलर पूरी तरह बीट हो गए। कुलदीप यादव रन लेने के लिए भागे, लेकिन कीपर जोस बटलर ने तेजी दिखाते हुए गिल्लियां बिखेर दीं। मिलर की यह सिंगल न लेने की जिद दिल्ली को भारी पड़ी और गुजरात टाइटंस ने सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की।

आईपीएल 2026- फेमस कृष्णा का बदला, चार साल पहले लगे तीन छक्कों का हिसाब बराबर किया, डेविड मिलर देखते रह गए

नयी दिल्ली। आईपीएल 2022 का पहला क्वालिफायर कोलकाता

के ईडेन गार्डन्स में खेला जा रहा था। गुजरात टाइटंस के सामने राजस्थान रॉयल्स की थी। गुजरात को आखिरी ओवर में जीत के लिए 16 रनों की जरूरत थी। राजस्थान के लिए प्रसिद्ध कृष्णा आखिरी ओवर लेकर आए। 35 गेंद पर 50 रन बनाकर खेल रहे डेविड मिलर स्ट्राइक पर थे। मिलर ने प्रसिद्ध

को पहली, दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार तीन छक्के मारे दिए। उन्होंने अपनी टीम को मुकाबले में तीन गेंद रहते ही जीत दिला दी। 4 साल बाद आईपीएल 2026 के आखिरी ओवर में एक बार फिर डेविड मिलर और प्रसिद्ध कृष्णा का सामना हुआ। इस बार मिलर चौथी गेंद पर स्ट्राइख पर आए। वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे थे तो प्रसिद्ध गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं। तीन गेंद पर जीत के लिए दिल्ली को 8 रन चाहिए थे। मिलर ने चौथी गेंद पर 106 मीटर लंबा छक्का मार दिया। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स को अरुण जेटली स्टेडियम में जीत के लिए दो गेंदों पर दो रन चाहिए थे। टीम की जीत पक्की दिख रही थी। 5वीं गेंद पर मिलर के पास सिंगल लेने का मौका था लेकिन उन्होंने नॉन स्ट्राइकर एंड पर कुलदीप यादव को मना कर दिया। आखिरी गेंद प्रसिद्ध ने धीमी गति की फेंकी। मिलर बीट हो गए और रन भागने की कोशिश में कुलदीप यादव को रन आउट होना पड़ा। इस तरह दिल्ली की टीम एक रन से मैच हार गई। एक मैच में डेविड मिलर और दूसरे में प्रसिद्ध कृष्णा ने बाजी मारी लेकिन दोनों ही मौकों पर गुजरात टाइटंस की टीम विजेता रही। गुजरात ने आईपीएल में कई करीब मैच जीते हैं। 2022 में ही टीम को पंजाब के खिलाफ दो गेंद पर जीत के लिए 12 रन चाहिए थे तो राहुल तेवतिया ने दो छक्के मारकर टीम को जीत दिला दी थी। उस सीजन को गुजरात ने अपने नाम भी किया था।

5 खिलाड़ी जो आईपीएल में अभी तक बेंच पर हैं, अकेले मैच बदलने का रखते हैं दमख़म

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर जेसन

होल्डर भी आईपीएल 2026 में अभी तक बेंच पर हैं। टी20 में उनके नाम 365 विकेट के साथ ही 3325 रन हैं। उनके पास दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने का अनुभव है। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में शतक लगाने वाले जैकब बेथेल आरसीबी की प्लेइंग इलेवन में सेट नहीं हो पा रहे हैं। टीम चार ही विदेशी खिलाड़ी को प्लेयर इलेवन में जगह दे सकती है। वे फिल साल्ट, टिम डेविड रोमारियो शेफर्ड और जैकब डफी के साथ उतर रहे हैं। केकेआर की प्लेइंग इलेवन में टिम सिफर्ट को खेलने का मौका नहीं मिला है। न्यूजीलैंड के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप 2026 में 166 की स्ट्राइक रेट से 326 रन बनाए थे। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर थे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए मुकेश कुमार और टी नटराजन अच्छी बॉलिंग कर रही है। इसी वजह से आकिब नबी की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बन रही। 29 साल के आकिब के नाम 34 टी20 मैच में 43 विकेट हैं। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवाते हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव को इस सीजन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। मयंक 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बॉलिंग कर सकते हैं। 6 आईपीएल मैच में उनके नाम 9 विकेट हैं।

बला की खूबसूरत अर्शदीप सिंह की रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन कौर

नयी दिल्ली। आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच पंजाब किंग्स के स्टार गेंदबाज अर्शदीप सिंह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में की खबरों ने उन्हें हेडलाइंस में ला दिया है। सोशल मीडिया के डिटेक्टिव्स ने वायरल फोटो को समरीन कौर की पुरानी तस्वीरों

हैं। सोशल मीडिया पर एक वायरल तस्वीर ने कयासों का बाजार गर्म कर दिया है। माना जा रहा है कि मौजूदा समय में अर्शदीप एक्ट्रेस समरीन कौर को डेट कर रहे हैं। अर्शदीप सिंह की एक स्नैपचैट पोस्ट ने इंटरनेट पर आग लगा दी है। इस तस्वीर में अर्शदीप एक मिस्ट्री वुमन का हाथ थामे नजर आ रहे से मिलाना शुरू किया। फैंस का दावा है कि वायरल फोटो में दिख रहा टैटू, नेल आर्ट और हाथ की एक्सेसरीज हूबहू समरीन कौर जैसी ही हैं। इन बारीकियों को आधार बनाकर फैंस ने यह मान लिया है कि अर्शदीप के साथ दिखने वाली वह मिस्ट्री गर्ल समरीन ही हैं।अफवाहों को हवा

हैं। हालांकि चेहरा साफ नहीं है लेकिन इस रोमांटिक अंदाज वाली फोटो के वायरल होते ही फैंस ने जासूसी शुरू कर दी और देखते ही देखते अर्शदीप सिंह की गर्लफ्रेंड के रूप में ट्रेंड कर रहा है। अर्शदीप के साथ जिस लड़की का नाम जुड़ रहा है वह कोई और नहीं बल्कि मशहूर पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल समरीन कौर हैं। समरीन को फिल्म 83 में उनकी भूमिका और कई हिट पंजाबी म्यूजिक वीडियोज के लिए जाना जाता है। वह ग्लैमर जगत का एक उभरता हुआ चेहरा हैं और अब क्रिकेटर के साथ लिंक-अप तब और मिली जब समरीन कौर को आईपीएल 2026 के दौरान पंजाब किंग्स के कई मैचों में स्टैंड्स से टीम को चीयर करते देखा गया। उनकी बार-बार स्टेडियम में मौजूदगी को फैंस ने अर्शदीप के साथ उनके खास रिश्ते से जोड़कर देखना शुरू कर दिया है। तमाम चर्चाओं और वायरल दावों के बावजूद, अर्शदीप सिंह और समरीन कौर दोनों ने ही अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जब तक दोनों की तरफ से हां या ना नहीं आती तब तक यह खबर महज एक सोशल मीडिया थ्योरी है।

जॉब के साथ बच्चे को वक्त नहीं दे पाते,वो जिद्दी हो रहा है, अपनी डिमांड पूरी करने के लिए ब्लैकमेल करता है

जयपुर। सवाल- मैं दिल्ली से हूं। मेरा 8 साल का एक बेटा

है। मैं और मेरे हसबैंड, दोनों कॉरपोरेट जॉब करते हैं। काम की वजह से हम बच्चे को पर्याप्त समय नहीं दे पाते थे। इस कमी को पूरा करने के लिए हम अक्सर उसे महंगे गिफ्ट्स, गैजेट्स दे दिया करते थे। उसकी हर इच्छा भी पूरी करते थे। लेकिन कुछ समय से हमें ऐसा लग रहा है कि बेटे की उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं। वह अपनी बात मनवाने के लिए इमोशनली ब्लैकमेल भी करने लगा है। हमें अब अपनी गलती का एहसास भी हो रहा है, लेकिन ये समझ नहीं आ रहा कि इसे ठीक कैसे करें। सही संतुलन कैसे बनाएं? प्लीज हेल्प। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। यह सवाल आज कई वर्किंग पेरेंट्स की स्थिति को दिखाता है। वर्किंग पेरेंट्स के लिए काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना चैलेंजिंग होता है। ऐसे में बच्चे को पर्याप्त समय न दे पाने पर गिल्ट होना स्वाभाविक है। बहुत से पेरेंट्स इस कमी को पूरा करने के लिए बच्चों को महंगे खिलौने, गैजेट्स या पैसे देकर खुश करने की कोशिश करते हैं। शुरुआत में यह तरीका आसान लगता है। लेकिन धीरे-धीरे बच्चे के मन में यह धारणा बन जाती है कि

प्यार का मतलब सिर्फ भौतिक चीजें या सुख-सुविधाएं हैं। हालांकि अच्छी बात है कि आपने समय रहते इस बदलाव को नोटिस किया है। ऐसे में समझदारी से इस स्थिति को मैनेज किया जा सकता है। वर्किंग पेरेंट्स को गिल्ट क्यों होता है? वर्किंग पेरेंट्स ऑफिस और घर की जिम्मेदारियों के बीच बच्चे के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। यही सोच गिल्ट पैदा करती है। सामाजिक प्रेशर और सोशल मीडिया हर पेरेंट पर 'परफेक्ट' बनने का दबाव बनाते

हैं। जब असल जिंदगी अलग होती है तो पेरेंट्स गिल्ट महसूस करते हैं। अगर बच्चा कहता है- 'आप मेरे साथ नहीं रहते' या उदास, चिड़चिड़ा दिखता है तो गिल्ट बढ़ जाता है। गिल्ट के और कई कारण हो सकते हैं- 'गिल्ट पेरेंटिंग' का बच्चे पर प्रभाव-गिल्ट की वजह से पेरेंट्स बच्चे को जरूरत से ज्यादा चीजें, छूट या लाड़-प्यार देते हैं। शुरुआत में यह 'प्यार' लगता है, लेकिन लंबे समय में इसका असर बच्चे की सोच, व्यवहार और इमोशनल डेवलपमेंट पर पड़ता है। बच्चा मानने लगता है कि प्यार का मतलब गिफ्ट्स, पैसे और चीजें हैं। वह इमोशनल कनेक्शन की बजाय चीजों पर निर्भर हो जाता है। हर डिमांड पूरी होने पर 'ना' सुनने की आदत खत्म हो जाती है। इससे बच्चा जिद्दी और चिड़चिड़ा हो सकता है। बच्चा भौतिक चीजों से खुश तो होता है, लेकिन पेरेंट्स से जुड़ाव कमजोर होता जाता है।तुरंत सब कुछ मिलने से बच्चा धैर्य और इंतजार करना नहीं सीखता है। बाहर की दुनिया उसकी हर मांग पूरी नहीं करती, जिससे निराशा, गुस्सा और फ्रस्ट्रेशन बढ़ सकता है। इमोशनल सिक्योरिटी चीजों से नहीं, रिश्तों से मिलती है। इसकी कमी से बच्चा असुरक्षित महसूस कर सकता है। आइए, अब 'गिल्ट पेरेंटिंग' को मैनेज करने के तरीके समझते हैं। वर्किंग पेरेंट्स 'गिल्ट' कैसे मैनेज करें? वर्किंग पेरेंट्स के लिए 'गिल्ट' पूरी तरह खत्म करना संभव नहीं है। लेकिन इसे मैनेज किया जा सकता है। आइए इसे प्रैक्टिकल तरीके से समझते हैं- सबसे पहले तो समझें कि कोई भी पेरेंट 'परफेक्ट' नहीं हो सकता है।बच्चे के लिए 'डेडिकेटेड टाइम' निकालें। इस दौरान फोन का इस्तेमाल न करें। आपका थोड़ा समय भी बच्चे के लिए मायने रखता है। गिल्ट में आकर गिफ्ट देना बंद करें। इसे खास मौके तक सीमित रखें। बच्चे से

ईमानदारी से बात करें। 'हम काम क्यों करते हैं' इसे समझाएं। दोनों पेरेंट्स समय निकालें, एक पर दबाव न डालें। थकान या समय न मिलने पर खुद को दोष न दें। गिल्ट में आकर बच्चे को फोन देना आसान लगता है, लेकिन इससे दूरी और बढ़ती है। इसलिए बच्चे का स्क्रीन टाइम सीमित रखें। अगर संभव हो तो अलग-अलग शिफ्ट में काम करें, ताकि एक व्यक्ति बच्चे के साथ रहे। ध्यान रखें, आपका समय और अटेंशन बच्चे की सबसे बड़ी जरूरत है। वीक ऑफ एक ही दिन रखें। काम के घंटे कम करें या रिमोट वर्क देखें। दादा-दादी या नाना-नानी की मदद लेना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कुल मिलाकर इस समय बच्चे को ज्यादा समय, ज्यादा अटेंशन और ज्यादा साथ की जरूरत है। पेरेंटिंग गिल्ट को मैनेज करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। बच्चे के लिए पेरेंट्स का साथ जरूरी बच्चे के लिए पेरेंट्स का साथ उसकी इमोशनल, मेंटल और सोशल ग्रोथ की बुनियाद होता है। यह उसकी पर्सनैलिटी को आकार देता है। जब पेरेंट्स साथ होते हैं, बच्चा खुद को सेफ महसूस करता है। उसे लगता है कि 'कोई है, जो मुझे समझता है और मेरे साथ है।' इससे कॉन्फिडेंस बढ़ता है। पेरेंट्स से बात करते-करते बच्चा बोलना सीखता है। फीलिंग्स एक्सप्रेस करना सीखता है।बच्चे पेरेंट्स को देखकर सीखते हैं। आप जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा ही वह अपनाता है। पेरेंट्स के साथ रहने से बच्चा गुस्सा संभालना, निराशा से निपटना और शेयर करना जैसी लाइफ स्किल्स सीखता है। बच्चे के लिए सबसे बड़ा गिफ्ट महंगी चीजें नहीं, आपका 'साथ' है। आज दिया गया साथ, बच्चे का कल मजबूत बनाता है। बच्चे को समय की कमी कैसे समझाएं? 6-10 साल के बच्चे में समझने की क्षमता विकसित हो रही होती है। ऐसे में उन्हें अपने काम के बारे में तर्क से समझाया जा सकता है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- सीधे 'हम बिजी हैं' कहने से बच्चा खुद को इग्नोर्ड महसूस कर सकता है।इसकी बजाय कहें- 'हम काम करते हैं ताकि तुम्हारी जरूरतें पूरी कर सकें, लेकिन तुम्हारे साथ रहना हमें सबसे अच्छा लगता है।' उसे बताएं, 'हमें तुम्हारे साथ खेलना बहुत पसंद है, हम इस संडे साथ में जरूर खेलेंगे।' उसे बताएं कि बाकी दिनों में आपको पर्याप्त समय नहीं मिल पाता है। उसे बताएं कि आपका काम परिवार वेः लिए क्यों जरूरी है। ईमानदारी से बातचीत करना भरोसा बनाने में मदद करता है। अंत में यही कहूंगी कि बच्चों के लिए सबसे बड़ी जरूरत महंगे गिफ्ट्स नहीं, बल्कि माता-पिता का समय, अटेंशन और प्यार है। अगर पेरेंट्स रोज थोड़ी देर भी बिना मोबाइल, बिना काम के बच्चे के साथ बिताते हैं तो यह बच्चे के लिए बहुत मायने रखता है।

गर्मियों में बढ़ता किडनी स्टोन का रिस्क,किसे ज्यादा जोखिम, बचाव के लिए 12 जरूरी सावधानियां

जयपुर। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी के मुताबिक, गर्मियों में किडनी स्टोन (पथरी) के मामले बढ़ जाते हैं। गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने से डिहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ता है। इससे किडनी में कैल्शियम और अन्य मिनरल के क्रिस्टल्स जमा होकर स्टोन में बदल जाते हैं। 'नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन' की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 12फीसदी से ज्यादा लोगों को किडनी स्टोन की समस्या है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज किडनी स्टोन की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-गर्मियों में किडनी स्टोन का रिस्क क्यों बढ़ता है? इससे बचने के लिए क्या करें? सवाल- क्या गर्मियों में किडनी स्टोन का रिस्क बढ़ता है? जवाब- हां, गर्मियों में किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ सकता है। पॉइंटर्स से समझिए- गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से ज्यादा पानी निकलता है। पर्याप्त नहीं पीने से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर में पानी की कमी होने से यूरिन में कैल्शियम, ऑक्सलेट जैसे मिनरल्स बढ़ जाते हैं। ये मिनरल्स मिलकर छोटे-छोटे क्रिस्टल बनाते हैं, जो किडनी स्टोन में बदल जाते हैं। सवाल- किडनी स्टोन कब बनता है और मौसम से क्या संबंध है? जवाब- यूरिन में कैल्शियम, ऑक्सलेट और यूरिक एसिड बढ़ने से क्रिस्टल बनते हैं, जो पानी की कमी में बाहर नहीं निकलते और स्टोन बन जाते हैं। मौसम का सीधा संबंध नहीं है, लेकिन गर्मियों में डिहाइड्रेशन बढ़ने से जोखिम बढ़ जाता है।सवाल- किडनी स्टोन होने पर क्या लक्षण दिखते हैं? जवाब- किडनी स्टोन में पेशाब

कारण कमर या पेट में तेज दर्द हो सकता है। सवाल- क्या फूड हैबिट्स और लाइफस्टाइल किडनी स्टोन का रिस्क बढ़ा या कम कर सकते हैं? जवाब- हां, अनहेल्दी लाइफस्टाइल किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ाती है, जबकि हेल्दी आदतें इसे कम करती हैं। ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड फूड और हाई प्रोटीन डाइट न लें। ज्यादा चाय, कॉफी या सॉफ्ट ड्रिंक्स न लें। फल, सब्जी और फाइबर से भरपूर डाइट लें। नियमित फिजिकल एक्टिविटी और संतुलित डाइट लें। दिनभर में कम-से-कम 8-10 गिलास पानी पिएं। सवाल- गर्मियों में किडनी स्टोन से बचने के लिए रोज कितना पानी जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा पसीने से पानी की जरूरत बढ़ती है। आमतौर पर 2.5-3 लीटर पानी रोज पीना चाहिए। अगर ज्यादा पसीना आ रहा है या आउटडोर काम कर रहे हैं तो पानी की मात्रा बढ़ाएं। यूरिन का हल्का पीला रंग पर्याप्त पानी का संकेत है, जबकि गहरे रंग

जरूरत है। सवाल- क्या सिर्फ पानी पीना काफी है या इलेक्ट्रोलाइट्स भी जरूरी हैं? जवाब- पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम) का संतुलन जरूरी है। पसीने से ये मिनरल्स निकल जाते हैं। पानी हाइड्रेशन देता है, जबकि इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखते हैं। नारियल पानी, छाछ और नींबू पानी इनके अच्छे सोर्स हैं, जो फ्लूइड बैलेंस बनाए रखते हैं। सवाल- गर्मियों में किडनी के लिए डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- गर्मियों में किडनी को स्वस्थ रखने के लिए हल्की, संतुलित और हाइड्रेटिंग डाइट लेनी चाहिए। क्या खाएं- तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी, संतरा, मौसंबी, दही और साबुत अनाज। क्या न खाएं- ज्यादा नमक, जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, ज्यादा मीठा और तली-भुनी चीजें। सवाल- किडनी स्टोन का रिस्क कम करने के लिए क्या करें? जवाब- कुछ फूड्स और ड्रिंक्स किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ा सकते हैं, इसलिए इन्हें अवॉइड करें। इसके अलावा लाइफस्टाइल में भी कुछ बदलाव करना जरूरी है। सवाल- किडनी स्टोन की हिस्ट्री होने पर गर्मियों में क्या सावधानियां रखें? जवाब- जिन लोगों को पहले स्टोन हुआ है, उनमें दोबारा बनने का जोखिम ज्यादा रहता है। ऐसे रखें ख्याल- पूरे दिन पर्याप्त पानी और लिक्विड डाइट लेते रहें। बहुत ज्यादा नमक और हाई प्रोटीन डाइट लेने से बचें। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाइयां लेते रहें। पेशाब को लंबे समय तक रोककर न रखें। कमजोरी, दर्द या पेशाब से जुड़ी समस्या दिखे तो तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवाल- किडनी स्टोन होने पर क्या करें और डॉक्टर से कब मिलें? जवाब- किडनी स्टोन में समय पर इलाज जरूरी है। छोटे स्टोन पानी से निकल सकते हैं, जबकि दर्द में दवाइयां दी जाती हैं और जरूरत पर जांच होती है। इन लक्षणों में तुरंत डॉक्टर से मिलें- कमर या पेट में तेज दर्द। यूरिन में खून आना। बार-बार उल्टी या मतली। यूरिनेशन में तेज दर्द। यूरिन कम या बिल्कुल न होना।

माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, किन्तु ज्ञान का विकल्प नहीं

इस हफ्ते मैं ट्रेन से, मध्यप्रदेश के बीना में बीपीसीएल फैक्ट्री विजिट पर गया था। मेरे सामने वाली सीट पर एक पेशेवर युवा बैठा था, पहले कुछ घंटे वह कुछ ज्यादा नहीं बोला। उसने मुस्कराकर अभिवादन किया और मैंने भी वैसे ही जवाब दिया। वह 'डूम स्क्रॉलिंग' में व्यस्त था, जिसका मतलब वह अपने फोन पर अंतहीन ऑनलाइन कंटेंट स्क्रॉल किए जा रहा था। मैंने भी अपने ज्ञान को ताजा करने के लिए एक पुरानी किताब फिर से पढ़नी शुरू की। पुरानी किताब- सर जॉन विटमोर की कोचिंग फॉर परफॉर्मेंस- का जाहिराना तौर पर रंग फीका पड़ गया था। अचानक उसने मेरी ओर देखा और कहा 'सर, क्या यह वही 'ग्रो मॉडल' है, जो कोचिंग के लिए महत्वपूर्ण टूल जैसा है और बातचीत एवं विकास को आसान बनाने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच मुहैया कराता है?' मैंने किताब बंद की और अचम्भे से उसकी ओर देखा। मैंने खुद से कहा 'वाह, इतनी छोटी उम्र में इसने बहुत पढ़ा है।' इस विचार के चलते मेरी उस युवा में उत्सुकता जागी और मैंने कहा, 'आपने कब ये पुस्तक पढ़ी? दरअसल, मैंने इस पुस्तक को दो दशक पहले खरीदा था।' उसने तपाक से कहा 'आप इस पुस्तक का चौथा संस्करण पढ़ रहे हो। मैंने इसके छठे संस्करण के कुछ चुनिंदा

समरी प्वाइंट पढ़े हैं।' और उसने अपने मोबाइल में दिखाते हुए पुस्तक के छठे संस्करण में जोड़े नए कॉन्सेप्ट को दोहराया। उसने इसी यात्रा में माइक्रो लर्निंग एप पर सर्फिंग करते हुए इस पुस्तक के बारे में जानकारी हासिल की थी। तब मुझे एहसास हुआ कि उसके जैसे कई लोग खुद में सुधार की लहर पर सवार हैं, एक नया वर्ग उन माइक्रो लर्निंग एप से सीखता है, जो किताब का निवालाभर सारांश देकर 15 मिनट में किसी को स्मार्ट बनाने का दावा करते हैं। मैंने कहा, 'निश्चित ही ये मात्रात्मक तौर पर अधिक जानकारी लेने का बढ़िया तरीका हो, किंतु गुणवत्ता के संदर्भ में नहीं।' और बिना किसी बहस के उसने भी इस पर सहमति दी। उसने प्रतिउत्तर में कहा, 'आपकी पीढ़ी को छोड़कर कोई भी गहरे ज्ञान में रुचि नहीं रखता और ये माइक्रो लर्निंग एप कम से कम हमें बोर्ड मीटिंग जैसे नाजुक मौकों से पार पाने में मदद करते हैं, जहां किसी को भी ज्ञान का प्रदर्शन करना होता है। ये एप पूरी किताब पढ़ने से पहले उपयोगी प्रीव्यू देते हैं।' और वो तर्क में सही था। एमएनसी में काम करने वाले व्यस्त एग्जीक्यूटिव को 260 पन्नों की भारी भरकम किताब क्यों पढ़नी चाहिए, जिसे मैं पढ़ रहा था? वो जो कर रहा था, उसमें स्मार्ट था। धीरे-धीरे हम एक दूसरे के बारे में और जानने लगे। वह किताब के बारे में मेरी बातों को पूरे ध्यान से सुनने लगा। लेकिन जब मैंने उससे पूछा कि 'अगर तुम्हें समरी रुचिकर लगती है तो क्या वास्तव में तुम किताब खरीदकर विषय को और गहराई से समझना चाहते हो? यहां पर उसने शर्माते हुए स्वीकार किया कि 'नहीं, मैं ऐसा नहीं करता।' यहीं पर मुझे लगा कि माइक्रो लर्निंग एप में कोई बात तो है। जब आपके पास ध्यान देने के लिए महज 3-4 मिनट ही हों, ऐसे में ये आपको अधिक उपलब्धि का अहसास करा सकता है। यदि कंटेंट सही से गढ़ा हो, तो यह एक समय पर दिमाग में बहुत अधिक सूचनाएं आने से पड़ने वाले भार को भी कम कर सकता है। खासकर उस युवा जैसे व्यस्त एग्जीक्यूटिव्स को त्वरित उपलब्धि का अहसास भी कराता है, जो देखकर, सुनकर व तार्किक तरीके से सूचनाओं को ग्रहण करना पसंद करते हैं। एप्लाइड साइकोलॉजी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट विभाग के प्रोफेसर्स कहते हैं कि तात्कालिक उपयोग के लिए माइक्रो लर्निंग एप अच्छे हैं।ये साबित हुआ है कि किसी एक विषय पर एक किताब के सारांश से दूसरे पर कूदने की तुलना में लंबे समय का अध्ययन अधिक समग्रता वाली समझ व ज्ञान विकसित करता है। यह आपको तत्काल बौद्धिक समृद्धता का अहसास कराता है। लेकिन इन प्रोफेसरों का कहना है कि 'विशेषतः जो लोग लंबे समय तक ढेर सारे एप का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें जरूरत के वक्त महत्वपूर्ण सूचना की कमी का अहसास होता है। फंडा यह है कि माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, लेकिन तभी, जब उन्हें ज्ञान के विकल्प के बजाय ज्ञान में सहायक के तौर पर उपयोग किया जाए।

हालात पहले से बेहतर पर हमें अभी और आगे बढ़ना है

मुल्क का वजूद उसके पुरुषार्थ-संकल्प से बनता है। न भूलें, बमुश्किल एक दशक पहले की हकीकत। अंग्रेजों का छोड़ा श्रेष्ठ डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां था। पुरानी 41 ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां थीं। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक 51 कंपनियां। फिर भी जवानों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट और नाइट विजन ग्लासेस नहीं थे।कैग की टिप्पणी थी, वायु, रक्षा व आर्टिलरी के पास अति-आवश्यक हथियारों की कमी है। हथियार खरीदने (थल सेना) को 1500-2000 करोड़ ही बचते थे। रक्षा संसदीय समिति (2012, अप्रैल) ने स्वीकारा कि हथियारों की क्रिटिकल स्थिति है। कमेटी (2012-13) स्तब्ध थी कि नई खरीद के लिए बजट में लगभग 5520 करोड़ ही थे। रक्षा मंत्री (फरवरी 2014) का बयान था- नो मनी, मेजर डील्स विल हैव टु वेट। आजादी की 66वीं वर्षगांठ पर केरन-सांबा क्षेत्र में पाकिस्तानी घुसे। भारतीय जवानों की हत्या कर कुछेक का सिर काट ले गए। रक्षा मंत्री ने संसद में गलत सूचना के लिए माफी मांगी। खबर दबाई गई। अमेरिकी आदेश पर भारतीय प्रधानमंत्री पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मिल रहे थे।वॉशिंगटन में। प्रधानमंत्री ने ओबामा से शिकायत की। नवाज शरीफ ने इसे 'देहाती औरत का रिरियाना' कहा। फिर पाक ने खंडन किया। इसके पहले के हालात (मुंबई ब्लास्ट वगैरह) समझने के लिए शिवशंकर मेनन की किताब है- 'चॉइसेस'। आज दुनिया ने (ऑपरेशन सिंदूर) में उसी भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत देखी। संसार की हथियार लॉबी, भारत के रक्षा कवच, इंटिग्रेटेड एयर कमान व कंट्रोल सिस्टम देख हतप्रभ है।

पाकिस्तान के हर घातक प्रहार को नाकाम करने वाली भारतीय स्वदेशी सुरक्षा तकनीक उन्होंने देखी। इसे विकसित किया है, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल) ने। इसी बेल की ईजाद अक्षयतीर एयरडिफेंस कंट्रोल सिस्टम है। यह है भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा-क्षमता व सामर्थ्य। 686 (2013-14) करोड़ रुपए के हथियार बेचने वाले भारत का आज रक्षा निर्यात 23622 करोड़ रुपए है। 2029 तक रक्षा निर्यात लक्ष्य 50000 करोड़ है। आज भारत कहां पहुंचा? ताजा रिपोर्ट (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था। भारत की जीडीपी अब 4.19 ट्रिलियन डॉलर है। 1971 में भारत व पाकिस्तान की जीडीपी में फर्क 57 अरब डॉलर था। आज 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। पाकिस्तान पर 280 अरब डॉलर कर्ज है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना, अमेरिकन गोल्डन डोम व इजराइल के आयरन डोम से श्रेष्ठ रक्षा कवच विकसित करने में जुटी है। पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ स्वदेशी लड़ाकू विमान यहां बनने की घोषणा हुई है। हथियारों के प्रोडक्शन से आगे डिजाइन व डेवलपमेंट पर भारत कदम बढ़ा रहा है। जरूरत है कि हम अपने कामकाज की संस्कृति अव्वल बनाएं। वायुसेना चीफ की चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, पूरी तरह से वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय वक्त की जरूरत है। राष्ट्रीय चरित्र व प्रतिबद्धता से ही प्रभावी कार्यसंस्कृति बनेगी। अतीत ने देखा है कि निजी लाभ के लिए जयचंदों, मीर जाफरों, जगत सेठों वगैरह की संस्कृति यहां रही है। आज ज्योति मल्होत्रा, देवेंद्र सिंह व अरमानों की फौज मुल्क को कमजोर करने में लगी है। ब्रिटिश इतिहासकार जे.आर. सिली (1834-1895) की किताब है- 'द एक्सपांशन ऑफ इंग्लैंड'। उसमें लिखा है कि 'हमने (यानी अंग्रेजों ने) भारत को नहीं जीता, खुद भारतीयों ने ही देश को हमारी तश्तरी में रख दिया।' चौधरी चरण सिंह ने सिली की इस पुस्तक का अनुवाद बंटवाया था, ताकि हमारा राष्ट्रीय चरित्र निखरे। हम खुद का आत्मविश्लेषण करें। यह राष्ट्रीय चरित्र ही इतिहास लिखता है। भारत का स्वर्णिम इतिहास चरित्रवान, संकल्पवान व दूरदृष्टि वालों ने ही बनाया था। देश के वायुसेना प्रमुख की यह चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, पूरी तरह से वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं।

हमारे जीवन के छोटे-छोटे आश्चर्यों को हल्के में न लें

यदि मैं आपसे पूछूं कि आपके जीवन में किन-किन चीजों की कमी है, तो आपकी सूची कितनी लंबी होगी? मेरी तो बहुत लंबी

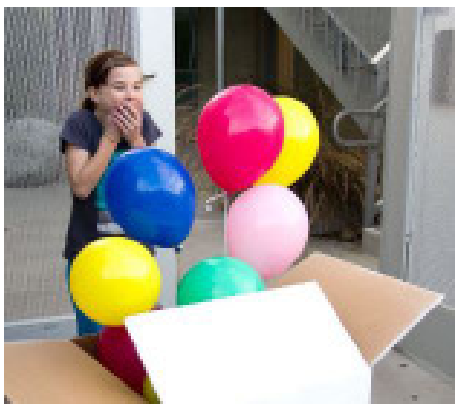

है। सबसे पहले तो मुझे कावेरी नदी की कमी खलती है। 60 से 90 के दशक के बीच यह बारहों महीने बहने वाली नदी हुआ करती थी, लेकिन अब यह कभी-कभी सूख जाती है। मुझे लगता था कि तमिलनाडु के कुम्भकोणम स्थित मेरे गृहनगर में यह हमेशा यूं ही लबालब बहती रहेगी। मुझे वह पोंगल भी बहुत याद आता है, जो मुझे हर सुबह 6 बजे कावेरी के किनारे स्थित गणपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलता था। नदी में तैरने के बाद उस गरम पोंगल का स्वाद दो कारणों से हमेशा दिव्य लगता था- एक, तैरने से भूख बढ़ जाती है और दो, भगवान का आशीर्वाद उनके प्रसाद को और स्वादिष्ट बना देता है। मुझे वह वडा-सांभर भी याद आता है, जो बचपन में रविवार को मेरे नाना मुझे खिलाते थे। वेंकटा लॉज नाम के एक रेस्तरां में वह एक आने (छह पैसे) का मिलता था। वहां वेटर एल्युमीनियम की एक बाल्टी लेकर खड़ा रहता था और वह बिना मुंह बनाए जितना चाहो उतना सांभर परोस देता था। ये मेरे जीवन के छोटे-छोटे आश्चर्य थे। मैंने हमेशा इन्हें हल्के में लिया, लेकिन आज जब मैं अतिरिक्त सांभर की एक छोटी कटोरी के लिए 5 रुपये देता हूं, तो मुझे वह बाल्टी और उस वेटर का चेहरा याद हो आता है। समय के साथ ये सब धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में विलीन हो गए। वह रेस्तरां अभी तक ?अपने मूल मालिकों के बाद तीन नए मालिक देख चुका है, और नए मालिक के बच्चे इसे किसी और बिजनेस में बदल सकते हैं।इससे और बड़े स्तर पर मुझे अरब सागर और उसके समुद्र तटों की कमी खलती है। ऐसा नहीं कि समुद्र कहीं चला गया है- वो अब भी व?हां मौजूद है- लेकिन मेरा काम मुझे अकसर- यहां तक कि रविवार को भी- उस समुद्रतटीय-मुम्बई से दूर ले जाता है, जहां मैंने रहने का चयन किया है। लोग जीवन के आश्चर्यों को हल्के में लेते हैं। लेकिन वे हर रूप और आकार में हमारे सामने आते हैं। बड़े आश्चर्य विस्मयकारी हो सकते हैं, लेकिन छोटे आश्चर्यों से हमारा जीवन बनता है। हमारी जीवन-यात्रा का दुःखद पहलू यह है कि इन छोटे-छोटे आश्चर्यों की गुम हो जाने की बुरी आदत होती है।

गांव की छोटी-छोटी झोपड़ियों का सड़क किनारे बने प्रवेश-द्वार वाले दो-तीन मंजिला कंक्रीट के ढांचों में बदल जाना एक ग्रामीण सौंदर्य को हमसे दूर ले गया है- नगर पालिका की बस के तेज गति से गुजरने पर उड़तीं मुर्गियां; सुबह के समय ताजे भोजन की प्रतीक्षा में घर के बाहर बैठी गाय; इधर-उधर सुस्ताता, अपने पैरों को खींचता और कभी-कभी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए भौंकता कोई कुत्ता; गुजरती हुई साइकिलों की घंटियों की आवाजें और बाहर खड़े दशकों पुराने पेड़ पर चहचहाते पक्षी। हाल ही में जब मेरी बेटी आई तो मैं उसे विशेष रूप से नागपुर में अपने स्कूल ले गया और उसे उसी बेंच पर बैठाया, जहां मैं पढ़ता था। मैंने उससे स्कूल के बाहर टोकरी लेकर बैठी बुजुर्ग महिला से बेर खरीदवाए। उससे एक छोटे-से हनुमान मंदिर के सामने उसी तरह खड़े होकर प्रार्थना करवाई, जैसे मैं परीक्षा देने से पहले किया करता था। और उसे यह सब बहुत पसंद आया। अतीत की याद जगाने वाली जगहों के बारे में भावुक हो जाना और उनकी स्मृति को जीवन भर संजोए रखना सहज है। उम्र बढ़ने के साथ मुझमें यह प्रवृत्ति और गहराती चली गई है। यही कारण है कि जीवन के छोटे-छोटे आश्चर्यों को पहचानना और जहां तक संभव हो, उन्हें संजोए रखना बहुत जरूरी है। एक उदासीन, अनाम दुनिया और एक ऐसी दुनिया, जिसमें जीवन और मौलिकता की दमक हो और जिसे जीने का आनंद लिया जा सके- इन दोनों में बहुत फर्क है। लेकिन याद रखने वाली इकलौती बात यह है कि गांव के स्कूलों के बाहर बेर बेचने वाली बुजुर्ग महिला केवल नकद ही स्वीकार करेगी, क्योंकि वह सीमित लाभ पर काम करती है और डिजिटल भुगतान लेकर कमीशन नहीं दे सकती। फंडा यह है कि हमारे स्थानीय, छोटे-छोटे आश्चर्यों को हल्के में न लें। रविवार को बच्चों को साथ ले जाएं और उन्हें दिखाएं कि आप इन आश्चर्यों के बीच कैसे बड़े हुए हैं! एन. रघुरामन

देश आने वाले कल की नई कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है

कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को

आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है। किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसान कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैषी नीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाजार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत टिकाऊ, समावेशी और भविष्य-उन्मुख कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50% मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफ व रबी की प्रमुख फसलों के एमएसपी में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। 2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान एमएसपी पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। सरकार ने केवल एमएसपी बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है। आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है। सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण 7%फीसदी ब्याज पर उपलब्ध कराया है। यह समय से चुकाने पर 3%फीसदी अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4%फीसदी रह जाती है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत मूल्य समर्थन योजना, मूल्य न्यूनता भुगतान योजना, बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि को लागू किया गया है। मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत दलहन, तिलहन व कोपरा की एमएसपी पर खरीद सीधे किसानों से की जाती है। 2024-25 में सोयाबीन की 19.97 लाख मीट्रिक टन व मूंगफली की 17.73 लाख मीट्रिक टन खरीद की गई, जो अब तक की सबसे अधिक है। तकनीकी नवाचारों के साथ ये पहलें किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध व खुशहाल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं) (शिवराज सिंह चौहान)

क्या हम अब दो मोर्चों पर संघर्ष कर रहे हैं?

इतिहास हर एक जंग को एक नाम दे देता है। आधिकारिक तौर पर तो हाल के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विराम हो गया था, मगर लड़ाई 87 घंटे तक चली। भावी पीढ़ियों के लिए क्या इसे '87 घंटे की जंग' कहा जा सकता है? वैसे, मैं हैशटैग लायक कोई तीखा नाम देने की जगह विवरण देना चाहूंगा। जो कुछ हमने देखा, उसे दो मोर्चों पर जंग की शुरुआती चाल कहा जा सकता है। इसे आप ट्रेलर कह सकते हैं। ये चतुराई, धैर्य और सैन्य-ताकत के बूते चलने वाले लंबे युद्ध की पहली चालें हैं। चूंकि, पाकिस्तान ने इसकी शुरुआत की और वह पहलगाम में चीनी साजो-सामान, टेक्नोलॉजी और निर्देशन में लड़ा, इसलिए मैं कहूंगा कि वह सफेद मोहरों से खेल रहा था और चूंकि पहली चाल सफेद मोहरों वाला खिलाड़ी चलता है, इसलिए इस चाल को वह नाम दिया जा सकता है, जिसे शतरंज की भाषा में पहले पीके4 नाम दिया गया था और अब ई4 नाम दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि प्यादे को बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा कर दिया गया और प्रतिद्वंद्वी को इस चाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया गया। इस चाल के जवाब में विदेशी नामों वाली कई तरह की रणनीति अपनाई जा सकती है, मसलन : इटालियन गेम, स्कॉच गेम या रुई लोपेज। मुझे जो नाम ज्यादा उपयुक्त लगता है, वह है 'किंग्स गैंबिट' (बादशाह का दांव) क्योंकि यह रणनीति ज्यादा आक्रामक है और इसमें कई तरह की चालें चली जा सकती हैं। पाकिस्तान और चीन मिलकर यह खेल खेल रहे हैं और उन्होंने एक प्यादे को आगे बढ़ा दिया है। किंग और क्वीन की ताकत के साथ प्यादा पाकिस्तान ठीक सामने आ खड़ा हुआ है, बादशाह के घुड़सवार और काउंसेल यानी चीन नेपथ्य में हैं। वह अब भारत की चाल का इंतजार कर रहे हैं। आत्म-संतोष कोई रणनीति नहीं हो सकती। समय बीत रहा है। तमाम तरह की खबरें बता रही हैं कि सेना ने भी 'रेड टीम' गठित कर ली है, जिसमें तेजतर्रार अधिकारियों के एक समूह को दुश्मन की तरह सोचने और जवाबी कार्रवाई करने का काम सौंपा जाता है। 'रेड टीम' की तरह सोचिए, अगली चाल क्या हो सकती है। हमारी सोच का बुनियादी आधार यह है कि हम दो मोर्चों पर लड़ने की दुविधा को लेकर सोच-विचार तो करते रहे हैं, लेकिन कभी यह नहीं सोचा कि एक ही समय दो मोर्चों पर लड़ना पड़ सकता है। 1962 में पाकिस्तान अलग रहा, पर बिना शर्त नहीं। उसने कश्मीर पर बात करने की मांग रखी, जो अमेरिका-ब्रिटेन के दबाव में शुरू भी हुई। 1965 और 1971 में और कारगिल के बाद चीन अधिकतर अलग ही रहा है, लेकिन अब प्यादे को जिस तरह बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा किया गया है, उससे मामला बदल गया है। दो मोर्चों पर लड़ाई जारी है, सिवाय इसके कि चीन सीधी लड़ाई लड़ने की जरूरत नहीं महसूस कर रहा है। उसे पाकिस्तान के रूप में एक योग्य और अनुकूल 'प्रॉक्सी' (एवजी) मिल गया है। वह इसे एक साल के अंदर कुछ खास, मसलन 5वीं जनरेशन के लड़ाकू विमानों के मामलों में भारत से आगे निकलने नहीं तो कम-से-कम बराबरी करने के लिए आधुनिक साजो-सामान बेचता रहेगा। उसके उपग्रह और दूसरे 'आईएसआर' (खुफियागिरी, निगरानी, टोही) संसाधन उसके आश्रित को उपलब्ध रहेंगे और मौके पर सलाह तो फौरन मिलती रहेगी ही। पाकिस्तान की ओर से अगली उकसाऊ कार्रवाई में हमेशा की तरह पांच-छह साल नहीं लगेंगे। यह इससे पहले ही की जाएगी, जनाब फील्ड मार्शल अपनी सियासी पूंजी गंवा दें इससे पहले। तार्किक रूप से 'रेड टीम' इस नतीजे पर पहुंच सकती है कि चीन को अब भारत से सीधी लड़ाई करने की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ पाकिस्तान को इतना कुछ देते रहना है कि वह उसकी ओर से लड़ता रहे। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कोई भी रिपोर्ट पढ़िए, एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत उभरता नजर आएगा। इस पूरे संघर्ष में आपने किसी अमेरिकी हथियार के इस्तेमाल की खबर नहीं पढ़ी होगी, एफ-16 विमानों के इस्तेमाल की भी नहीं। पूर्व चेतावनी और कंट्रोल सिस्टम से लैस स्वीडन के विमान चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स से लदे हुए हैं। सो, इसे आप चीन बनाम भारत संघर्ष के रूप में देखें, जिसमें मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना तैनात थी। दशकों से हम यही जानते रहे हैं कि चीन हमें दबाने के लिए पाकिस्तान का सस्ते में इस्तेमाल करता रहा है। यह रणनीति अब दो कदम आगे बढ़ चुकी है। पहला कदम यह था कि चीन पूर्वी लद्दाख तक आ धमका और हमने जो सेना पाकिस्तान के लिए रखी थी, उसके एक बड़े हिस्से को उसने वहां बांध दिया। दूसरा कदम पाकिस्तान की ओर से सीधी सैन्य चुनौती के रूप में उठाया गया। भारत ने जब इस 'पीके4' या 'ई4' वाली शतरंजी चाल का आक्रामक जवाब दिया तो दोनों पार्टनर पीछे हट गए। जैसा कि सीडीएस अनिल चौहान ने पुणे में दिए एक लेक्चर में कहा, उन दोनों ने सोचा होगा कि 9/10 मई की रात में उन्होंने रॉकेटों/मिसाइलों से जो हमले शुरू किए, वह भारत को घुटने टेकने पर मजबूर कर देंगे। यह दांव जब नाकाम रहा, उनके सभी रॉकेटों/मिसाइलों को मार गिराया गया और भारत की ओर से विध्वंसक जवाब ने पीएएफ को धूल चटा दी और उसके अड्डे तहस-नहस कर दिए, तब बुद्धिमानी संघर्ष विराम करने में ही थी। उनकी 'रेड टीम' अब सोच रही होगी कि अगले मुकाबले के लिए किस तरह तैयारी की जाए। अब उन्हें इन बातों के कारण चिंता होगी : भारत का बहुस्तरीय एयर डिफेंस, जिसकी अगुआई पीएएफ की मिसाइलों की पहुंच से काफी दूर एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइलें करती हैं; चीनी एचक्यू-9 समेत उनकी अपनी एयर डिफेंस की कमजोरी और एंटी-रेडिएशन ड्रोनों के इस्तेमाल से उनकी मिसाइलों को नाकाम या नष्ट करने की भारत की क्षमता। निश्चित मानिए कि चीन और पाकिस्तान मिलकर इन खामियों को दूर करने की जुगत भिड़ा रहे होंगे! कह सकते हैं कि पाक अब चीन की पश्चिमी कमांड है ... चीन पाकिस्तान को अब अपने पश्चिमी थिएटर कमांड के रूप में देखता है। मैं तो यहां तक कहना चाहूंगा कि चीनी सेना पीएलए पाकिस्तान को अपने सबसे नए, छठे थिएटर कमांड के रूप में देखेगी। इसे भारत को उलझाए रखना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी

चीनी उत्पादों के वर्चस्व पर चिंता के बीच सीसीटीवी कंपनियों से जासूसी रोकने के लिए कंपनियों को कैमरे का हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सोर्स कोड सरकारी लैब में जांच के लिए देना पड़ सकता है। सूचना, संचार और मीडिया में अमेरिकी डिजिटल कंपनियों का कब्जा भी बेहद चिंताजनक है। इसी परिप्रेक्ष्य में विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी है। विदेशी कंपनी : भारत में 49 करोड़ यूजर्स वाले यूट्यूब ने 2022-2024 में कंटेंट क्रिएटर्स को 21000 करोड़ रु. से ज्यादा का भुगतान किया। यह प्रिंट या टीवी मीडिया के किसी भी ग्रुप की कुल आमदनी से कई गुना ज्यादा है। केंद्र सरकार के नए नियम के अनुसार विदेशी फंडिंग लेने वाले एनजीओ अखबार नहीं छाप सकते। लेकिन भारत में सबसे बड़ा मीडिया साम्राज्य स्थापित करने वाले यूट्यूब का टीवी या अखबार जैसा कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। उपभोक्ता अदालत के फैसले के खिलाफ वॉट्सएप ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील में कहा कि भारतीय अदालतों का अमेरिकी कंपनी पर क्षेत्राधिकार नहीं है। यूट्यूब भी अमेरिकी कानून से संचालित होकर भारत की पुलिस और अदालतों के क्षेत्राधिकार से बाहर रहने की कोशिश करता है। जासूसी : 4 यूट्यूब चैनलों में 41 करोड़ सब्स्क्राइबर्स वाले अमेरिका के मिस्टर बीस्ट के पास टॉम क्रूज और शाहरुख खान से ज्यादा संपत्ति है। यूट्यूब से कमाई को देखकर भारत में भी रील बनाने वालों की बाढ़ आई है। भारत में 15000 यूट्यूब चैनल ऐसे हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 10 लाख से ज्यादा सब्स्क्राइबर्स हैं। मुनाफे की अंधी दौड़ में इनमें से अनेक आपराधिक और देश-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त रहते हैं। शेयर मार्केट में इन्फ्लुएंसर्स से बढ़ रहे फ्रॉड और फर्जी कंटेंट को रोकने के लिए सेबी ने अनेक निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस, मेट्रो और रेलवे ने रील बनाने के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए हैं। गिरफ्तार यूट्यूबर्स की जासूसी से जुड़े मुकदमों में सरकार को अदालत में यह साबित करने में मुश्किल हो सकती है कि सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी को विदेश में साझा करने से किस कानून का उल्लंघन हुआ है? कॉपीराइट : कंटेंट आईडी टूल के माध्यम से कॉपीराइट उल्लंघन का पता चलने पर तीन स्ट्राइक के बाद यूट्यूब खाते पर रोक लग सकती है। एएनआई के साथ विवाद पर यूट्यूबर्स के तीन तर्क हैं। कॉपीराइट कानून में फेयर यूज के अनुसार कम समय की वीडियो क्लिपिंग का इस्तेमाल हो सकता है। दूसरा, कॉपीराइट के उल्लंघन के मामले में एएनआई उस वीडियो की आमदनी पर दावा कर सकती है। तीसरा, यूट्यूब चैनल पर मनमाने तरीके से रोक लगाना अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है। अमेरिका में कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में यूट्यूब चैनल को ब्लॉक नहीं किया जाता। यह भी समझना जरूरी है कि गूगल और सोशल मीडिया कंपनियों के सारे एआई प्लेटफॉर्म भारत में जनता और सरकार के डेटा का गैर-कानूनी तरीके से व्यावसायिक इस्तेमाल करके कॉपीराइट कानून को धता बता रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर यूट्यूब से हो रही आमदनी में भारत के पब्लिशर्स और सरकार के साथ टेक कंपनियों की रेवेन्यू शेयरिंग क्यों नहीं होनी चाहिए? टैक्स चोरी : साल 2016 में गूगल इंडिया ने भारत में नंबर एक कंपनी का दर्जा हासिल करने के लिए 4.29 लाख करोड़ की आमदनी का आंकड़ा दिया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के हलफनामे के अनुसार गूगल इंडिया 5904 करोड़ की आमदनी पर ही टैक्स देती थी। विवाद बढ़ने के बाद गूगल ने अगले साल से रैंकिंग वाली कम्पनियों के चार्ट में आमदनी के आंकड़े देना बंद कर दिया। गौरतलब है कि ग्राहक फीस और विज्ञापन के अलावा भारत के 50 करोड़ लोगों के डेटा के कारोबार से अरबों डॉलर कमाने वाली टेक कंपनियां डेटा शेयरिंग के अनुबंधों पर जीएसटी और दूसरे टैक्सों का भुगतान नहीं करतीं। सरकारी कंटेंट : नेता, अफसर, सरकार और पार्टियों के यूट्यूब चैनल में अमूमन विज्ञापन नहीं होने की वजह से आमदनी नहीं होती। लेकिन ऐसे वीडियोज का इन्फ्लुएंसर और दूसरी कंपनियां इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर आमदनी करती हैं।

ईरान अब मुस्लिम दुनिया का नया लीडर? अमेरिका और इजरायल से 40 दिनों की जंग ने क्या बदला,विशेषयज्ञों से समझे

तेहरान। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम की घोषणा के बाद 40 दिनों से लड़ा जा रहा भीषण युद्ध रुक गया है। हमेशा की तरह इस बार भी युद्ध का सबसे ज्यादा नुकसान आम नागरिकों को भुगतना पड़ा है। हजारों लोग मारे गए हैं या घायल हुए हैं। ईरान और इजरायल के पूरे इलाके में घर और बुनियादी ढांचा तबाह हो गए हैं। सीजफायर को अक्सर राहत के पल के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन कभी-कभी वे कुछ ज्यादा ही अहम बात को सामने लाते हैं- वह यह कि असल में युद्ध से किसे फायदा हुआ है। ऊपरी तौर पर सभी पक्ष जीत का दावा कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इसे मुकम्मल जीत कहा है और समझौते को इस बात के सबूत के तौर पर पेश किया है कि अमेरिका के मकसद पूरे हो गए हैं। वहीं, ईरान के नेतृत्व ने युद्धविराम को रणनीतिक कामयाबी के रूप में पेश किया है। लेकिन इन विपरीत दावों के पीछे एक गहरी सच्चाई छिपी है। हालांकि, युद्ध में पूरी तरह कोई नहीं जीतता, लेकिन ईरान युद्ध को देखने पर पता चलता है कि सत्ता का संतुलन मध्य-पूर्व से कहीं आगे तक बदल रहा है। सीजफायर की विषय वस्तु और बनावट देखकर लगता है कि ईरान कमजोर होकर नहीं, बल्कि ज्यादा मजबूत होकर उभरा है। युद्ध के दौरान सुप्रीम लीडर समेत ईरान के शीर्ष नेताओं की हत्या कर दी गई, लेकिन उसने तेजी से नए लोगों की नियुक्त की और अपना ढांचा बनाए रखा, जो उसकी संस्थागत मजबूती की ओर इशारा करता है। युद्धविराम समझौते की सबसे खास बात है कि यह किसी निर्णायक सैन्य हार के बाद नहीं थोपा गया। इस पर बातचीत हुई और इसे तेहरान की शर्तों के हिसाब से ढाला गया। ईरान पर कोई पहले से तैयार समझौता नहीं थोपा गया, बल्कि तेहरान की 10-सूत्री योजना ने इसमें शुरुआती

रूपरेखा के रूप में काम किया। तेहरान के प्रस्ताव केवल युद्ध को रोकने तक सीमित नहीं थे। उनमें प्रतिबंधों में राहत, पुनर्निर्माण में मदद और होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबदबा बनाए रखने की बात शामिल थी। होर्मुज जलडमरूमध्य को आखिरकार ईरान की सेना की देखरेख में ही फिर से खोला गया। यह साफ दिखाता है कि क्षेत्र में किसका पलड़ा भारी है। इस युद्ध में ईरान ने जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के हमलों का मुकाबला करते हुए जवाबी हमले जारी रखे, उसके बाद अब हर किसी को तेहरान को मध्य पूर्व की अहम शक्ति के रूप में स्वीकार करना होगा। लेकिन इससे भी आगे ईरान मुस्लिम जगत की एक प्रमुख शक्ति के रूप में खुद को साबित किया है। रक्षा विश्लेषक कमर आगा का कहना है कि ईरान युद्ध को गाजा से अलग नहीं किया जा सकता है। कमर आगा कहते हैं कि गाजा फिलिस्तीन का अंग है और फिलिस्तीन मुसलमानों के लिए बहुत अहम है क्योंकि वहां अल-अक्सा मस्जिद है। उन्होंने कहा कि अरब देशों ने फिलिस्तीन के मुद्दे को लगभग छोड़ दिया था। ईरान अकेला इस मुद्दे के साथ खड़ा था। गाजा युद्ध में जिस तरह से ईरान की प्रतिरोध धुरी ने गाजा में हमास का समर्थन किया, वह असल में फिलिस्तीन की अल-अक्सा मस्जिद का समर्थन था। कमर आगा ने कहा कि मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में सुधारवादी आंदोलन के बाद सऊदी अरब की छवि इस्लामिक जगत में कमजोर हुई है। तुर्की की छवि भी ऐसी ही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस्लामिक जगत में इस बात पर काफी कश्मकश थी कि इजरायल से कौन लड़ सकता है। ईरान ने एक साथ अमेरिका और इजरायल से लड़कर खुद को साबित किया है। यह जंग मिडिल ईस्ट में बड़े बदलाव लेकर आने वाली है। ईरान के लिए आर्थिक फायदा-इस बदलाव का सबसे अहम पहलू आर्थिक है। युद्ध ने वैश्विक बाजारों को अस्थिर कर दिया है, लेकिन सीजफायर एक नई स्थिति पैदा करता है। अगर प्रतिबंधों में ढील दी जाती है तो ईरान को ऐसे समय में वैश्विक बाजार में पहुंच मिल जाएगी जब ऊर्जा की मांग लगातार बनी हुई है। यह स्थिति एक बड़ी आर्थिक रिकवरी के लिए जमीन तैयार करती है। दशकों से मध्य पूर्व में अमेरिका का दबदबा उसकी सैन्य ताकत और आर्थिक दबाव पर टिका रहा है। ये दोनों ही चीजें कमजोर पड़ रही हैं। सैन्य तौर पर अमेरिका और इजरायल ने जबरदस्त ताकत दिखाई, फिर भी उन्हें निर्णयक नतीजा नहीं मिला। ईरान ने अपनी क्षमताओं को बनाए रखा है और एकता कायम रखी है। ऐसे में युद्ध का नतीजा एक विरोधाभास के रूप में सामने आता है, जिसका मकसद ईरान को कमजोर करना था, शायद उसने उसकी ताकत को और बढ़ा दिया है। क्या टूट सकता है सीजफायर? हालांकि, अभी यह सीजफायर शुरुआत है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि युद्धविराम टूट सकता है, बातचीत नाकाम हो सकती है जिसके बाद संघर्ष भड़क सकता है। एक सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका इस सीजफायर का इस्तेमाल बड़े हमले की तैयारी के लिए कर सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) संजय कुलकर्णी इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते हैं। उनका कहना है ईरान खुद ही इसे तोड़ सकता है। संजय कुलकर्णी, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड)- 'ईरान की जो शर्तें हैं, उस पर अमल कर पाना बहुत मुश्किल होगा। ईरान ने लेबनान, गाजा पट्टी और हूतियों पर हमले न करने की मांग की है। ईरान को बाकी जगहों से मतलब नहीं रखना चाहिए और उसे अपने देश से मतलब रखना चाहिए। इन मांगों से साबित होता है कि ईरान भी दूध का धुला नहीं है। कुलकर्णी ने आगे कहा, युद्धविराम का टूटने की संभावना नहीं नजर आती है, लेकिन आगे चलकर ईरान के लिए मुश्किल होने वाली है। अभी जंग के हालात हैं, जिसके चलते ईरानी एक झंडे के नीचे खड़े हैं। लेकिन जब हमले नहीं हो रहे होंगे, उसके बाद मतभेद खुलकर सामने आएंगे। अगर यह समझौता टिका रहता है तो एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। इसलिए नहीं कि इससे युद्ध खत्म हो जाता है। बल्कि इसलिए कि यह दिखाता है कि आज के दौर में युद्ध कैसे जीते और हारे जाते हैं। जीत की परिभाषा केवल युद्ध के मैदान में तय नहीं होती, बल्कि ऐसे नतीजों से तय होती है, जो आर्थिक रूप से टिकाऊ हो और रणनीतिक रूप से मजबूत हों। इन पैमानों पर ईरान का पलड़ा भारी नजर आता है।

महिला आरक्षण संशोधन ड्राफ्ट को केंद्र की मंजूरी-महीने भर में पारित होने की संभावना

नयी दिल्ली। लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। यह एक ऐसा पल है जिसे अब और नहीं टाला जा सकता। महिलाओं के रिप्रेजेंटेशन को आगे बढ़ाने में हर

देरी, असल में, हमारे लोकतंत्र की क्वालिटी और सबको साथ लेकर चलने को मजबूत करने में देरी है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। भारत ने हमेशा दिखाया है जब राष्ट्रीय महत्व की बात आती है, तो वह मतभेदों से ऊपर उठकर एकता के साथ काम कर सकता है। यह भी ऐसा ही एक क्षण है। राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है। यह कानून राज्यों की विधानसभाओं और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी लागू किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला आरक्षण के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 40 लोकसभा सीटें बढ़ेंगी। 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी। महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए 24 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। यहां लोकसभा की सीटें 48 से बढ़कर 72 हो जाएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार में महिला सीटों की संख्या 20 हो सकती है। यहां कुल सीटें 40 से 60 तक पहुंच सकती है। एमपी में 15 महिला आरक्षित सीटें बढ़ सकती हैं। तमिलनाडु में 20 और दिल्ली में 4 यानी महिला सीटें होंगी। झारखंड में 7 महिला आरक्षित सीटें बढ़ने का अनुमान है। 1931 में पहली बार महिला आरक्षण का मुद्दा उठा था-1931: भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान महिला आरक्षण पर पहली बार चर्चा हुई, लेकिन प्रस्ताव अंततः खारिज कर दिया गया। बेगम शाह नवाज और सरोजिनी नायडू जैसी नेताओं ने महिलाओं को पुरुषों पर तरजीह देने के बजाय समान राजनीतिक स्थिति की मांग पर जोर दिया। 1971: भारत में महिलाओं की स्थिति पर समिति का गठन किया गया। इसके कई सदस्यों ने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण का विरोध किया। 1974: महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए महिलाओं की स्थिति पर एक समिति ने शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी। इसमें पंचायत और नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की सिफारिश की 1988: राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना ने पंचायत स्तर से संसद तक महिलाओं को आरक्षण देने की सिफारिश की। इसने पंचायती राज संस्थानों और सभी राज्यों में शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण अनिवार्य करने वाले 73वें और 74वें संविधान संशोधनों की नींव रखी। 1993: 73वें और 74वें संविधान संशोधनों में पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गईं। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड और केरल सहित कई राज्यों ने स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50फीसदी आरक्षण लागू किया है।

50 फाइटर जेट, 10 मिनट और 100 हमलें,इजरायल ने कैसे किया लेबनान पर सबसे बड़ा हमला

बेरूत। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम की घोषणा के बाद जब दुनिया

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद लगा रही थी, उसी दिन इजरायल ने लेबनान में अब तक का सबसे बड़ा हमला बोल दिया। इजरायली सेना ने 10 मिनट में

100 से ज्यादा हवाई हमले किए। इस ऑपरेशन में 50 से ज्यादा लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। ये हमले लेबनान की राजधानी बेरूत, बेका घाटी और दक्षिणी लेबनान में किए गए, जिसमें रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया गया। लेबनान के लिए यह इस संघर्ष का सबसे जानलेवा दिन साबित हुआ, जिसमें कम से कम 254 लोग मारे गए और 1100 से ज्यादा घायल हुए हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है, क्योंकि बचाव दल मलबे के नीचे लोगों को तलाश रह है। हवाई हमलों की इस लहर को लेबनान में युद्ध शुरू होने के बाद सबसे बड़ी बताया जा रहा है। यह लहर डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा के बाद शुरू हुई। लेबनान के राष्ट्रपति ने इसे नरसंहार कहा है। जोसेफ आउन, लेबनान के राष्ट्रपति-'आज इज़रायल एक बार फिर अपनी आक्रामकता पर अड़ा हुआ है; वह सभी मानवीय मूल्यों की सरेआम धज्जियां उड़ाते हुए और हालात को शांत करने तथा स्थिरता लाने के सभी प्रयासों को नज़रअंदाज़ करते हुए, अपने शर्मनाक रेकॉर्ड में एक और नरसंहार जोड़ रहा है।' इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्धविराम को घोषणा के कुछ देर बाद ही एक बयान जारी कर कहा कि लेबनान इसका हिस्सा नहीं है और हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले जारी रहेंगे। वहीं, ईरान ने साफ कहा है कि लेबनान अलग नहीं है और वह संघर्ष विराम का हिस्सा है। तेहरान ने लेबनान पर इजरायली हमले को युद्धविराम समझौते के लिए दिए गए उसके 10 पॉइंट प्लान का उल्लंघन बताया है। इसमें लेबनान में भी हमले रोकने की बात कही गई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स न्यूज ने कहा कि तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है। लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमलों को लेकर युद्धविराम का उल्लंघन बताया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने तेहरान की चेतावनी के बारे में बताया कि अगर इजरायल लेबनान पर हमले जारी रखता है तो ईरान युद्धविराम से पीछे हट जाएगा। शहबाज शरीफ, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री- 'मैं सभी पक्षों से पूरी ईमानदारी और गंभीरता से अपील करता हूँ कि वे संयम बरतें और तय समझौते के मुताबिक, दो हफ़्तों तक संघर्ष-विराम का सम्मान करें, ताकि कूटनीति इस संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में अहम भूमिका निभा सके।' लेबनान पर हमल के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शांति की अपील की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संघर्ष वाले इलाके में कुछ जगहों पर युद्धविराम के उल्लंघन की खबरें हैं, जिससे शांति प्रक्रिया की भावना को ठेस पहुंचती है।

आज का मौसम-आंधी-तूफान के बाद अब 8 राज्यों भारी बारिश का अलर्ट, 70 की स्पीड से चलेगी हवा

लखनऊ। पिछले एक सप्ताह से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर प्रदेश, बिहार,

दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश हो रही है। भारत मौसम विभाग के अनुसार , उत्तर भारत में फिलहाल पांच-छह दिनों तक आंधी-बारिश का दौर थमेगा। लेकिन अन्य कई राज्यों में भारी बारिश का कहर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में अगले 5 दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। साथ ही सिक्किम, असम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। वहीं मध्य भारत में अगले छह दिनों के दौरान तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इससे उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों में तापमान के सामान्य से नीचे से सामान्य के आसपास रहने की संभावना है।भारत मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार दिल्ली एनसीआर में फिलहाल मौसम के मिजाज में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। अगले एक सप्ताह तक आसमान में हल्के बादलों के बीच सूरज की लुकाछिपी जारी रहने की संभावना जताई गई है। दिन में धूप और बादलों का यह मिश्रण लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर देगा, वहीं सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक का एहसास भी बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 10 अप्रैल को मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिन से समय 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। जबकि 11 और 12 अप्रैल को भी राजधानी का मौसम साफ रहेगा। उत्तर प्रदेश में अभी भी मौसम कूल-कूल बना हुआ है। पश्चिमी व पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी आज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक मौसम आंधी-बारिश का दौर थमेगा। लेकिन 15 अप्रैल तक सक्रिय हो रहे एक और पश्चिमी विक्षोभ के असर से मॉनसून बदल सकता है। लखनऊ आईएमडी के अनुसार, राजधानी लखनऊ में 10-11 अप्रैल को हल्के बादल छाए रहेंगे। जबकि 12 से 14 अप्रैल को मौसम बिल्कुल साफ रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। बिहार में कल कैसा रहेगा मौसम? बिहार में पिछले कई दिनों से आंधी-बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, 9 अप्रैल को भी राज्य में 30 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। लेकिन अब राज्य के कई जिलों में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम हो रहा है। हालांकि IMD ने अररिया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

शादी कार्ड पर अब उम्र लिखना ना भूलें,पूरे राजस्थान में सक्रीय रहेगी टीम

जयपुर। राजस्थान में अबूझ सावे का प्रतीक आखा तीज न केवल खुशियों का त्योहार है, बल्कि सदियों से यह बाल विवाह जैसी निकलवाने की जरूरत नहीं होती, इसलिए इसे 'अबूझ सावा' कहा जाता है। ग्रामीण इलाकों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार और

सामाजिक बुराई की काली छाया में भी रहा है। इस वर्ष भी आखा तीज और पीपल पूर्णिमा के अवसर पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए गृह विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया है। सरकार ने इस बार ऐसा 'चक्रव्यूह' तैयार किया है कि सरकारी कारिंदे 24 घंटे हर गांव-ढाणी पर पैनी नजर रखेंगे। गृह विभाग ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने इस बार केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जवाबदेही भी तय की है। अब शादी के निमंत्रण पत्र पर दूल्हा और दुल्हन की जन्मतिथि और उम्र का उल्लेख करना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने केवल परिजनों पर ही नहीं, बल्कि शादी से जुड़े हर पक्ष पर नकेल कसी है। हलवाई, बैंड वाले, पंडित, टेंट हाउस संचालक और ट्रांसपोर्टर्स से शपथ पत्र लिए जा रहे हैं कि वे किसी भी बाल विवाह का हिस्सा नहीं बनेंगे। राजस्थान के इतिहास में 'आखा तीज' का विशेष महत्व है। अक्षय तृतीया का अर्थ है जिसका 'क्षय' न हो। माना जाता है कि इस दिन किसी भी शुभ कार्य के लिए मुहूर्त अशिक्षा के कारण लोग इसी दिन बच्चों की शादियां कर देते हैं ताकि एक ही पंडाल और खर्चे में परिवार के कई बच्चों का ब्याह हो सके। पीपल पूर्णिमा को भी इसी तरह के आयोजनों के लिए चुना जाता है। सरकार का मानना है कि केवल डंडे के जोर पर नहीं, बल्कि जागरूकता से ही यह प्रथा रुकेगी। स्कूलों में शिक्षाः स्कूलों में बच्चों को बाल विवाह के शारीरिक और मानसिक दुष्परिणामों के बारे में बताया जा रहा है। ग्राम सभाएंः ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्राम सभाओं में इस विषय पर चर्चा करें और ग्रामीणों को सचेत करें। हेल्पलाइनः यदि कहीं भी बाल विवाह की भनक लगती है, तो आमजन 181 या 100 नंबर पर तुरंत शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाएगी। आगामी आखा तीज के दिन पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी और स्थानीय पुलिस की टीमें सक्रिय रहेंगी। यदि किसी भी घर में बाल विवाह पाया जाता है, तो न केवल माता-पिता, बल्कि शादी में सहयोग करने वाले हर व्यक्ति पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा।

गलत मोड़ हर बार गलत नतीजे नहीं देता-एक गलत मोड़ से मिर्जापुर की गुफाओं में मिली 14,000 साल पुरानी 'रॉक आर्ट' की नई साइट

मिर्जापुर। दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम के लिए गलत मोड़ वरदान साबित हो गया। दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय की एक रिसर्च टीम ने रॉक आर्ट की नई जगह खोजी है। इस टीम ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक साधारण फील्ड विजिट अचानक एक खोज में बदल गई, जब उन्हें 'प्रीहिस्टोरिक रॉक आर्ट' का नया स्थल मिल गया। इस खोज को 'चौखड़ा रॉक आर्ट' नाम दिया गया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह की अगुवाई में रिसर्च टीम अप्रैल के पहले हफ्ते किसी दूसरे रॉक आर्ट साइट पर जा रही थी, लेकिन नेविगेशन की गलती से उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के चौखड़ा गांव पहुंच गई। यहां आसपास के इलाके को एक्सप्लोर करते हुए स्टूडेंट्स ने चट्टानों पर लाल रंग के निशान देखे, जो पास जाकर देखने पर प्राचीन पेंटिंग्स निकले। दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विभाग की इस टीम का नेतृत्व प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह और रिसर्चर सुदेशना बिस्वास कर रही थीं। अगर दिल्ली विश्वविद्यालय के दावे की पुष्टि हो जाती है, तो यह खोज उत्तर प्रदेश में बड़ी प्रागैतिहासिक खोज होगी। टीम ने बताया कि करीब ढाई किलोमीटर दूर बलुआ पत्थर की गुफाओं में इन पेंटिंग्स का बड़ा कलेक्शन मिला। इनमें इंसानी आकृतियां, जानवर और शिकार के सीन बने हुए हैं। ये पेंटिंग्स लाल रंग से बनी हैं और अलग-अलग समय की लगती हैं। एमपी के मेसोलिथिक रॉक आर्ट से मिलती-जुलती प्रोफेसर मनोज ने बताया कि कई पैनल में आकृतियां समूह में हैं, जो सामूहिक गतिविधि को दिखाती हैं। इनकी शैली मध्य भारत की प्रारंभिक मेसोलिथिक रॉक आर्ट से मिलती-जुलती है, जिससे इनकी उम्र करीब 14,000 से 10,000 साल पुरानी मानी जा रही है, हालांकि पुष्टि के लिए वैज्ञानिक जांच जरूरी है। रिसर्चर सुदेशना बिस्वास ने बताया कि इन चित्रों में धनुष-बाण लिए मानव जैसी आकृतियां, त्रिभुजाकार शरीर वाली आकृतियां और ग्रुप रचनाएं शामिल हैं जो सामूहिक व्यवहार को दर्शाती हैं। एक पैनल में हथेली के निशान जैसी आकृति भी देखी गई, जो अक्सर प्रतीकात्मक या पूजा-पाठ की अभिव्यक्ति से जुड़ी होती है। रंग की तीव्रता में भिन्नता से पता चलता है कि इन आश्रयों का उपयोग

प्रागैतिहासिक काल से लेकर बाद के काल तक कई चरणों में किया गया होगा।- रिसर्चर सुदेशना बिस्वास, टीम द्वारा खोजा गया यह स्थान विंध्य पर्वतमाला में स्थित है, जो अपने प्रागैतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। रिसर्चर के अनुसार, बलुआ पत्थर की संरचनाओं, प्राकृतिक आश्रयों और जल एवं वनस्पति की उपलब्धता से युक्त यह भू-भाग प्रारंभिक मानव बस्ती के लिए उपयुक्त रहा होगा। उन्होंने मध्य प्रदेश में पाए जाने वाले शैल कला स्थलों से समानताएं भी बताईं, जो मध्य भारत में सांस्कृतिक और पर्यावरणीय निरंतरता की संभावना को दर्शाती हैं। ईसाई से परमिशन लेगी टीम-टीम अब एएसआई से विस्तृत अन्वेषण और वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए अनुमति लेने की योजना बना रही है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह खोज अकेली घटना नहीं हो सकती, क्योंकि आसपास के क्षेत्रों में और भी अज्ञात स्थलों की संभावना है, जिनके लिए व्यवस्थित अन्वेषण आवश्यक है। सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि मिर्जापुर में कम से कम 16 शैल कला स्थलों का दस्तावेजीकरण किया गया है, लेकिन इनमें से कोई भी मरिहान में रिकॉर्ड नहीं है, जिससे यह संकेत मिलता है कि पुष्टि होने पर यह एक नया स्थल हो सकता है।

महिलाओं के लिए यूरिन रोकना खतरनाक-ब्लैडर को गंभीर नुकसान, बढ़ता इंफेक्शन का रिस्क,11 टिप्स टॉयलेट हाइजीन के

जयपुर। अक्सर महिलाएं काम की व्यस्तता, ट्रैफिक या गंदे पब्लिक टॉयलेट के डर से यूरिन लंबे समय तक रोककर रखती हैं। बार-बार ऐसा करना सेहत के लिए

नुकसानदायक हो सकता है। लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इससे मसल्स कमजोर होने और किडनी से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए सही टॉयलेट हाइजीन अपनाना जरूरी है। इसलिए जरूरत की खबर में जानेंगे कि-यूरिन रोकने से ब्लैडर को क्या नुकसान होता है? इससे कौन से हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? कितनी देर तक यूरिन रोककर रखना सेफ है? विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. मानिनी पटेल, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ। सवाल- जब कोई महिला बहुत देर तक यूरिन को होल्ड करके रखती है तो इससे शरीर में क्या होता है? जवाब- लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इससे कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जैसेकि- ब्लैडर की मांसपेशियां कमजोर या ओवरस्ट्रेच हो सकती हैं। यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का जोखिम बढ़ता है। पेट के निचले हिस्से में दर्द और बार-बार पेशाब आने की समस्या हो सकती है। सवाल- ज्यादा देर तक यूरिन होल्ड करने से ब्लैडर को क्या नुकसान होता है? जवाब- ब्लैडर ज्यादा देर तक भरा रहने से उसकी मांसपेशियों और अंदरूनी लेयर पर लगातार दबाव पड़ता है। इससे संक्रमण व अन्य कॉम्प्लिकेशन का जोखिम बढ़ता है। 1. यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन -यूरिन ब्लैडर में ज्यादा देर तक रुकने से बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं। इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। 2. ब्लैडर पर दबाव- ब्लैडर बार-बार ओवर-स्ट्रेच होने से उसकी मसल्स कमजोर हो सकती हैं। आगे चलकर यूरिन कंट्रोल करने में दिक्कत या 'लीकेज' की प्रॉब्लम हो सकती है। 3. किडनी पर असर-ज्यादा देर तक पेशाब रोकने से प्रेशर ऊपर की ओर बढ़ सकता है। इससे किडनी इंफेक्शन का रिस्क बढ़ता है। लंबे समय में यह किडनी फंक्शन पर असर डाल सकता है। 4. ब्लैडर स्टोन (पथरी) यूरिन लंबे समय तक जमा रहने से मिनरल्स क्रिस्टल बनते हैं, जो स्टोन का रिस्क बढ़ा सकते हैं। इससे दर्द, यूरिन में ब्लड आना या रुक-रुक कर पेशाब आना जैसी हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। 5. निचले हिस्से में भारीपन या दर्द हो सकता है। कभी-कभी तेज दर्द के साथ अचानक यूरिन निकलने जैसी समस्या हो सकती है। सवाल- क्या देर तक यूरिन रोककर रखने से किडनी डैमेज हो सकती है?जवाब- हां, इससे किडनी से जुड़ी कई बीमारियां हो सकती हैं। जैसेकि- हाइड्रोनेफ्रोसिस - ये एक ऐसी स्थिति है, जिसमें किडनी में सूजन हो जाती है। दरअसल यूरिन ठीक से बाहर नहीं निकल पाता और किडनी में ही जमा होने लगता है। पाइलोनअफ्राइटिस - किडनी का एक गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन है, जो आमतौर पर यूटीआई से शुरू होता है और फिर ऊपर बढ़कर किडनी तक पहुंच जाता है। सवाल- क्या प्रेगनेंसी के दौरान यूरिन रोकना ज्यादा खतरनाक हो सकता है? जवाब- हां, इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। अगर ये इंफेक्शन किडनी तक पहुंच जाए तो प्री-मेच्यौर डिलीवरी का कारण भी बन सकता है। सवाल- कितनी देर तक यूरिन को रोककर रखना सेफ है? जवाब- यह व्यक्ति की उम्र, कितनी मात्रा में पानी या फ्लूइड लिया है और उसकी सेहत की स्थिति पर निर्भर करता है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' के अनुसार, आमतौर पर हर 3-4 घंटे में यूरिन पास करना बेहतर माना जाता है। हालांकि जैसे ही यूरिन पास करने की जरूरत लगे तुरंत जाना बेहतर है। सवाल- क्या बार-बार यूरिन रोकने से ब्लैडर की क्षमता स्थायी रूप से कम होती है? जवाब- कभी-कभार यूरिन रोकने से ब्लैडर की क्षमता स्थायी रूप से कम नहीं होती। लेकिन लंबे समय तक लगातार ऐसा करने से ब्लैडर फंक्शन प्रभावित होता है। इससे संक्रमण या अन्य यूरिनरी प्रॉब्लम्स का जोखिम बढ़ जाता है। सवाल- सभी को आमतौर पर एक टॉयलेट हाइजीन फॉलो करना चाहिए? ये क्या है और इसमें कौन-कौन सी चीजें शामिल हैं? जवाब- अक्सर लोग जल्दबाजी या लापरवाही में हाइजीन से जुड़ी छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। इससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। हालांकि कुछ बेसिक टॉयलेट हाइजीन कई बीमारियों से बचाती हैं। इन आसान आदतों को अपनाकर यूरिन इंफेक्शन और अन्य समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है। सवाल- क्या लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से भी ब्लैडर हेल्थ प्रभावित होती है? जवाब- हां, इससे ब्लैडर पर नेगेटिव असर पड़ता है। पॉइंटर्स से समझिए-लंबे समय तक एक ही जगह बैठने से पेल्विक एरिया में ब्लड फ्लो कम हो जाता है। इससे पेल्विक फ्लोर मसल्स कमजोर पड़ती हैं जो ब्लैडर और यूरेथ्रा (यूरिन बाहर निकलने का रास्ता) को सपोर्ट करती हैं। देर तक एक ही जगह बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। इससे किडनी स्टोन बनने का रिस्क भी बढ़ता है। सवाल- यूरिन रोकने के अलावा हमारी रोजमर्रा की और कौन सी आदतें ब्लैडर हेल्थ को प्रभावित करती हैं? जवाब- खराब लाइफस्टाइल, डिहाइड्रेशन, क्रॉनिक डिजीज और खराब हाइजीन ब्लैडर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं।

धुरंधर मूवी के असली एसपी की पत्नी डायरेक्टर से नाराज,कहा- आदित्य धर पर केस करेंगी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के ल्यारी पर बनी बॉलीवुड फिल्म धुरंधर में संजय दत्त ने पाकिस्तान

के एक एसपी चौधरी असलम का रोल किया है। उन्हें पाकिस्तान का सुपरकॉप भी कहा जाता है। असलम ने 2009 में ल्यारी (कराची) के सबसे खूंखार रहमान डकैत का एनकाउंटर किया था। करीब चार साल बाद कराची में विस्फोटकों से भरी एक कार उनके काफिले से टकरा गई थी। इसमें असलम समेत 4 लोगों की मौत हो गई थी। उनके परिवार को आज भी धमकियां मिलती हैं। असलम चौधरी की पत्नी नौरीन चौधरी ने एक न्यूज़ पोर्टल से बात करते हुए बताया फिल्म डायरेक्टर आदित्य धर ने उनके पति के किरदार को फिल्माने से पहले उनकी परमिशन नहीं ली। मेरे पति न तो कभी रहमान डकैत से डरे, न ही बलूच विरोधी थे। उनके किरदार को गलत दिखाया गया है। इसके चलते उनके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी। सवालः फिल्म में पति का किरदार देखकर कैसा लगा? जवाबःकिरदार बहुत अच्छा है। संजय दत्त पर यह काफी फिट बैठता है। उन्होंने मेरे पति असलम चौधरी का किरदार बहुत अच्छी तरह निभाया है, लेकिन कहानी में कुछ बातें सही नहीं दिखाई गई हैं।सवालः किन चीजों को अलग तरीके से दिखाया गया है? जवाबः असलम चौधरी का किरदार बहुत बड़ा है, लेकिन उसे उतना नहीं दिखाया गया है। उनका काम सिर्फ ल्यारी तक सीमित नहीं था। उन्होंने कराची में कई ऑपरेशन किए थे। जिन सभी मामलों में उन्हें गिरफ्तार किया गया, उन्होंने कभी भी अपनी फील्ड नहीं छोड़ी। ल्यारी असल में वैसा नहीं है, जैसा दिखाया गया है। ल्यारी कराची का एक छोटा सा इलाका है। सवालः फिल्म का कौन सा सीन असलम चौधरी की याद दिलाता है? जवाबः तीन-चार सीन ऐसे थे, जब मुझे लगा कि असलम मेरे सामने हैं। लेकिन फिल्म के एक शॉट में जब बम धमाका हुआ, तो मैं आगे नहीं देख सकी। फिल्म में एक सीन गलत है, जिसमें वह बलूच बच्चों को पीटते हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि असलम बलूचों के दुश्मन हैं, लेकिन असलियत में ऐसा नहीं था। वह सिर्फ अपराधियों के खिलाफ थे। उन्होंने अपने जीवन में कभी बच्चों के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया। सवालः उनकी मौत किसी राजनीतिक साजिश का नतीजा थी? जवाबः नहीं। वे कहते थे कि मैं गोली से नहीं, बम ब्लास्ट से मरूंगा और वही हुआ। उन्होंने तालिबान के खिलाफ कई ऑपरेशन किए थे। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने फोन करके कहा था कि चौधरी असलम हमारे रास्ते से हट जाओ। तालिबानियों को कराची में चौधरी से ही खतरा था। लेकिन मेरे पति ने उनकी बात नहीं मानी। उन्होंने फोन पर उन लोगों को 20 मिनट तक खरी-खोटी सुनाई थी। चौधरी असलम अपनी पूरी जिंदगी रहमान डकैत से नहीं डरे। अगर वे डरते तो मैं आज अमेरिका या इंग्लैंड में रह रही होती। मैं फिलहाल पाकिस्तानी में ही रह रही हूं। सवालः रहमान डकैत के एनकाउंटर के बाद असलम ने घर आकर क्या कहा? जवाबः एनकाउंटर से पहले उन्होंने कुछ लोगों का पता लगाया था। अपने प्लान को अंजाम देने वे चार-पांच दिन पहले घर से निकले थे। रहमान ईरान से आ रहा था। असलम ने उसे जंगल में 7 पुलिसकर्मियों के साथ घेर लिया था और उसका एनकाउंटर कर दिया। असलम 6 दिन बाद घर लौटे। वे बहुत खुश थे और मेरे पास आकर बोले- अल्लाह ने मेरी इज्जत बचा ली। चौधरी ने अपना काम पूरा कर लिया है।सवालः क्या आपको लगता है कि उनकी दाउद से भी बातचीत हुई थी? जवाबः मैंने अपने जीवन में चौधरी असलम से दाउद का नाम कभी नहीं सुना। मुझसे पहले भी ऐसे सवाल पूछे गए हैं। उन्होंने मेरे सामने सिर्फ शोएब खान का नाम लिया था। वह कराची का डॉन था। लाहौर जाकर उसे असलम चौधरी ने ही पकड़ा था। वह जेल गया और हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई थी। मेरे पति ने कभी पैसे के लालच में किसी के सामने सिर नहीं झुकाया। नवाज शरीफ और परवेज मुशर्रफ भी उनके काम को जानते थे। उन्होंने सिंध के 300 गरीब परिवारों के घरों में कभी राशन की कमी नहीं होने दी। सवालः बलूचों के बारे में बोले एक डायलॉग से विवाद खड़ा हो गया था। सच्चाई क्या है? जवाबः मेरे पति बलूच विरोधी नहीं थे। आज भी ल्यारी में कई लोग उनका सम्मान करते हैं। 200 बलूच महिलाएं उनकी पुण्यतिथि पर हमारे घर आई थीं। वे केवल अपराधियों के खिलाफ थे, उन्होंने कभी आम लोगों को परेशान नहीं किया। भले ही वे बलूच हों या नहीं। सवालः असलम चौधरी की मौत के समय का घटनाक्रम? जवाबः मुझे मेरे चाचा के बेटे का फोन आया था। उसने कहा कि टीवी चालू कीजिए, बड़ी खबर आ रही है। जब मैंने टीवी पर देखा तो पता चला कि असलम को अस्पताल ले जाया गया है। इसलिए मैं तुरंत वहां पहुंची। उस दिन कराची में लगभग बंद जैसी स्थिति थी। पूरे शहर में अफरा-तफरी मची हुई थी। असलम का इंतकाल हो चुका था। एक बार सुबह करीब सात बजे मेरे घर पर भी 350 किलो विस्फोटक से ब्लास्ट किया गया था। उस समय मैं घर पर अकेली थी। मैंने पिछली रात करीब दो बजे चौधरी असलम को फोन किया था और कहा था कि आप समय पर घर आ जाइए। तब उन्होंने बताया था कि उन्हें सूचना मिली है कि अमेरिका या सऊदी की एम्बेसी पर बम ब्लास्ट हो सकता है, इसलिए वे पेट्रोलिंग पर हैं। लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि असल में बम तो हमारे ही घर पर फटने वाला है। सुबह 7 बजकर 28 मिनट पर मैं बच्चों के लिए नाश्ता बना रही थी। तभी हमारे घर के पास जोरदार धमाका हुआ था। जमीन में 30 फीट गहरा गड्ढा बन गया और नीचे से पानी का फव्वारा निकलने लगा था।इस धमाके में हमारे 3-4 गनमैन, एक पड़ोसी और एक टीचर की मौत हो गई थी। हमारे घर के आसपास हमेशा गाड़ियां खड़ी रहती थीं। धमाके के बाद गाड़ियां फिल्मी सीन की तरह हवा में उड़कर गिर गई थीं। सवालः यह ब्लास्ट किसने करवाया था? जवाबः तहरीक-ए-तालिबान ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली थी। सवालः क्या आदित्य धर ने इस फिल्म को बनाने से पहले आपसे संपर्क किया? जवाबः नहीं, हमसे कोई परमिशन नहीं ली गई। टीजर आने के बाद हमें पता चला कि ऐसी कोई फिल्म बन रही है। उन्होंने 'हवा-हवा' गाने के लिए पाकिस्तानी कलाकार को फिल्म रिलीज से पहले ही कॉपीराइट का भुगतान कर दिया था। उन्होंने चौधरी असलम की एंट्री के लिए एक छोटे से सॉन्ग पर 46 लाख रुपए खर्च किए हैं। अब मैंने तय किया है कि इस मामले में मैं आदित्य धर को इंटरनेशनल वकील के जरिए नोटिस भेजूंगी। मैं उनसे पाकिस्तानी करंसी में 25 करोड़ रुपए मुआवजा मांगूंगी। अगर फिल्म 1500 करोड़ रुपए कमा चुकी है, तो 25 करोड़ उसके मुकाबले बहुत छोटी रकम है। लोगों ने तो मुझे यह भी कहा है कि कुल कमाई का 40फीसदी लेना आपका हक है। अगर आदित्य धर खुद मान जाते हैं तो ठीक है, नहीं तो मैं कोर्ट के जरिए कार्रवाई करूंगी। सवालः क्या चौधरी असलम ने आपको बंदूक चलाना और हैंड ग्रेनेड की ट्रेनिंग दी थी? जवाबः उन्होंने मुझे 9एमएम पिस्टल समेत दो-तीन गन की ट्रेनिंग दी थी। अभी भी मेरे पास हथियार हैं। सभी हथियारों के लाइसेंस हैं। उन्होंने मुझे फायरिंग करना और निशाना लगाना सिखाया था। सवालः आप हथियारों की ट्रेनिंग के लिए तैयार हो गई थीं? जवाबः नहींष्ठ मैंने शुरू में ही मना कर दिया था कि मैं बंदूक नहीं चलाना चाहती। तो उन्होंने कहा- चौधरी की पत्नी को किसी भी हालत में डरना नहीं है। मेरी मौत के बाद भी तुम्हारे मन में कोई डर नहीं होना चाहिए। सबको पता होना चाहिए कि नौरी खान कौन है। सवालः चौधरी असलम संजय दत्त के बारे में क्या सोचते थे? जवाबः उन्हें संजय दत्त बहुत पसंद थे। जब उन्होंने खलनायक वाली फिल्म देखी, तो संजय दत्त की बहुत तारीफ की थी। सवालः परिवार में कौन-कौन हैं? जवाबः मेरे चार बच्चे हैं। सभी बच्चे पाकिस्तान में हैं। किसी को भी विदेश नहीं भेजा है। मेरे बड़े बेटे की शादी कुछ समय पहले हुई है और अब वह भी पुलिस में शामिल होगा। मैं पिछले 12 वर्षों से तैयार बैठी हूं। अगर कोई हमला करेगा तो उसे छोड़ूंगी नहीं। सवालः उन्होंने कभी बुलेटप्रूफ जैकेट नहीं पहनी? जवाबः मैं हमेशा उनसे बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने को कहती थी। लेकिन वे मेरी बात नहीं मानते थे। घर में बम धमाके के बाद मैंने बहुत जिद की थी। उस दिन भी घर से निकलने के बाद, थोड़ी दूर जाकर उन्होंने अपनी जैकेट उतार दी थी। वे कहते थे कि मुझे किसी एक्स्ट्रा डिफेंस की जरूरत नहीं है। इससे बेहतर तो मर जाना है। असलम अपनी गाड़ी में नहीं बैठे रहते थे। वह हमेशा पुलिस बल में सबसे आगे रहते थे। सवालः असलम ने अपने नाम के आगे चौधरी क्यों लगाया? जवाबः कई बड़े ऑपरेशन पूरा करने के बाद उन्हें यह पहचान मिली। उन्होंने मेरी सलाह पर ही सफेद कुर्ते पहनने शुरू कर दिए थे। लोग उन्हें पंजाबी समझते थे, लेकिन वे पठान थे। मेरे बच्चों ने फिल्म नहीं देखी है। उनका कहना है कि फिल्म में पिता को बहुत क्रूर दिखाया गया है। मैंने उनसे कहा कि संजय दत्त की एक्टिंग देखिए।फिल्म बनाने से पहले मुझसे उनके किरदार के बारे में पूछा जाना जरूरी था। जब वो जेल गए, तो बाहर के सारे काम मैं ही डील करती थी। मैं रहमान डकैत के इलाके में भी गई थी। वहां मेरा पीछा करवाया गया था। मैं और मेरा ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग निकले थे। मैंने असलम चौधरी को कई बातें नहीं बताईं। एक रात मुझे शोएब खान के नाम से भी धमकी मिली थी। सवालः क्या आपको अभी भी रहमान डकैत के परिवार से धमकियां मिलती हैं? जवाबः हां, कुछ समय पहले धमकी मिली थी। कराची में कई गुट हैं। इसीलिए धमकियां मिलती रहती हैं। इसीलिए हमारी सुरक्षा में पाकिस्तान की सेना और सिंध पुलिस तैनात है।

पार्टनर फेसबुक पर लड़कियों से फ्लर्ट करता है,कुछ बोलूं तो कहता है, 'तुम इनसिक्योर हो,' क्या ये चीटिंग है?

नोएडा। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल

साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ। सवाल- मैं जयपुर से हूं। मेरी उम्र 28 साल है और मैं सेरामिक आर्टिस्ट हूं। मेरा पार्टनर भी आर्टिस्ट है। वह सोशल मीडिया पर लड़कियों के साथ बहुत फ्लर्ट करता है। जैसे उनकी हर पोस्ट पर हार्ट इमोजी बनाना, कमेंट करना, देर रात फेसबुक पर ऑनलाइन रहना और चैटिंग करना। मैं पूछूं कि किससे बात कर रहे हो तो नाराज हो जाता है। कहता है, मैं इनसिक्योर हूं। वो उल्टे मुझे ही गिल्ट महसूस करवाने लगता है। क्या दूसरी लड़कियों के साथ फ्लर्ट और चैटिंग भी एक तरह की चीटिंग नहीं है। मैं बहुत अनकंफर्टेबल महसूस कर रही हूं। क्या करूं? जवाब- इंटरनेट और सोशल मीडिया से पहले के दौर में 'चीटिंग' की परिभाषा अलग थी। तब धोखे का एक ही मतलब था- किसी तीसरे व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध। लेकिन आज की तारीख में जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा मोबाइल पर गुजर रहा है। हमारी बहुत सारी बातचीत, जुड़ाव, प्रेम और आकर्षण दरअसल हमारी डिजिटल स्क्रीन पर ही हो रहे हैं। तो जाहिर है, ये सवाल मन में आता है कि क्या

फेसबुक पर किसी की पोस्ट पर रोज हार्ट इमोजी बनाना या रोज कमेंट करना सिर्फ फ्लर्टिंग है या ये भी चीटिंग है। सिर्फ लाइक और कमेंट करना तो नॉर्मल सोशल

बिहेवियर है। लेकिन ये माइक्रो और इमोशनल चीटिंग में भी बदल सकता है। लेकिन सिर्फ तब जब आपका पार्टनर-अपने रिश्ते को इग्नोर करके दूसरे को ज्यादा वक्त और तवज्जो दे। जब वो किसी तीसरे से अपनी बेहद पर्सनल बातें शेयर करने लगे। जब आपका पार्टनर किसी और से इस हद तक जुड़ जाए कि वो आपके हिस्से का प्यार, लगाव, खुशी और वक्त किसी और को देने लगे। जरूरी नहीं कि उस रिश्ते में फिजिकल इंटिमेसी भी हो। बस होता ये है कि जो आपका था, वो अब किसी और को मिल रहा है। यह एक तरह का इमोशनल डिसप्लेसमेंट है। इमोशनल चीटिंग कई बार फिजिकल चीटिंग से भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकती है। लोग फ्लर्ट क्यों करते हैं? फ्लर्टिंग अपने आप में गलत नहीं है और न ही ये हमेशा गलत होती है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कई साइंस स्टडीज दरअसल फ्लर्टिंग को एक हेल्दी साइन के रूप में देखती हैं। फ्लर्टिंग लोगों के सोशल स्किल और उनकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी हो सकती है। वे बातचीत में थोड़ी तारीफ या थोड़े मजाक का सहारा लेते हैं, थोड़ा टीज या फ्लैटर करते हैं। इन सबमें कोई समस्या नहीं है। ऐसा करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। ये बोरडम से लेकर सेल्फ एस्टीम से जुड़ा मसला भी हो सकता है। फ्लर्टिंग समस्या तब होती है, जब फ्लर्ट करना व्यक्ति का सहज स्वभाव न हो। वह सभी के साथ इस तरह पेश न आता हो, बल्कि उसका ये व्यवहार किसी खास व्यक्ति पर ही केंद्रित हो। इतना ही नहीं, वो इन बातों को छिपाने लगे, पूछने पर नाराज हो जाए। मनोविज्ञान में दो चीजें होती हैं- एक है इरादा और दूसरा है उसका असर। हो सकता है कि इरादा नेक हो, लेकिन उसका असर बुरा पड़े। जैसेकि आपके केस में पार्टनर कह सकता है- ये कोई सीरियस बात नहीं है। मैं तो बस मजाक कर रहा था। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। लेकिन पॉइंट ये है कि इरादा जो भी हो, उसका प्रभाव क्या हुआ है । उसका प्रभाव ये है कि आप- पीड़ा महसूस कर रही हैं। असुरक्षा महसूस कर रही हैं। तनाव महसूस कर रही हैं।रिश्ते में अकेलापन महसूस कर रही हैं। अब आपको क्या करना चाहिए? आपकी फीलिंग्स को टालना, उन्हें इग्नोर करना या झुठलाना ठीक नहीं है। सबसे पहले आपको अपनी फीलिंग्स को एड्रेस करना है। इसके लिए आपको ये कदम उठाने चाहिए- पार्टनर से खुलकर इस बारे में बात करनी चाहिए। उन्हें ब्लेम नहीं करना चाहिए, सिर्फ अपनी फीलिंग्स जाहिर करनी चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि उनके व्यवहार की वजह से आप पीड़ा, असुरक्षा महसूस करती हैं।उनसे आग्रह करना चाहिए कि इस मुद्दे को तत्काल एड्रेस करना जरूरी है। आप सजेस्ट कर सकती हैं कि जरूरत हो तो हम कपल काउंसलिंग के लिए भी जा सकते हैं। हेल्दी रिलेशन के 6 जरूरी कदम-आपको सेल्फ केयर के ऊपर लिखे कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा नीचे ग्राफिक में छह बातें लिखी हैं, जो किसी भी हेल्दी रिलेशनशिप की बुनियाद हैं। हर रिश्ते में डूज और डोंट्स की सीमा तय करने से लेकर सेल्फ रिस्पेक्ट को प्रिऑरिटी पर रखना जरूरी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि बातचीत, प्यार और संवेदना से यह समस्या सुलझ सकती है। लेकिन अगर ऐसी स्थितियां पैदा हों कि आपका पार्टनर-आपकी बात सुनने से इनकार करे। आपकी फीलिंग्स को पूरी तरह इग्नोर करे। कहे कि 'तुम बात का बतंगड़ बना रही हो।' उल्टे आपको ही दोष देने लगे। आपके दुख से पूरी तरह डिटैच्ड, अप्रभावित रहे। तो ऐसी स्थितियों में आपको अपने मेंटल-इमोशनल वेलबीइंग को प्रिऑरिटी देनी चाहिए। सबसे पहले अपनी मेंटल-फिजिकल हेल्थ को डैमेज होने से बचाना चाहिए। काउंसलर से मिलकर बात करनी चाहिए। सबसे पहले अपना आत्मसम्मान और अपनी खुशी चुननी चाहिए।

अक्षय कुमार के बेटे आरव को देख सबने बोला- एकदम नाना राजेश खन्ना जैसा, तो किसी को लगे विदेशा

मुंबई। अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव वैसे तो हमेशा ही लाइमलाइट से दूर रहते हैं और पब्लिकली भी कम ही नजर आते हैं, पर जब आते हैं, तो सुर्खियों में छा जाते हैं। अब हाल ही वह पैरेंट्स-अक्षय और ट्विंकल के साथ डिनर पर नजर आए, तो सबकी निगाहें उन्हीं पर ठहर गईं। आरव जब मॉम ट्विंकल के साथ रेस्टोरेंट से बाहर निकल रहे थे, तो भी पपाराजी ने उन्हें घेर लिया। आरव की अक्षय और ट्विंकल संग तस्वीरें-वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिन्हें देख लोग हैरान हो रहे हैं। दरअसल, आरव एकदम पापा अक्षय जैसे लग रहे हैं। ठीक वैसे ही, जैसे अक्षय 90 के दशक में दिखते थे।आरव ने जींस-शर्ट पहनी थी और मूंछों के साथ लेटेस्ट हेयरस्टाइल में वह काफी डैशिंग लग रहे थे। इस लुक में आरव को देख बहुत से यूजर्स को 90 के अक्षय कुमार की याद आ गई। हालांकि, कुछ ने कहा कि वह नाना राजेश खन्ना की कॉपी लगते हैं। 70 के दशक में राजेश खन्ना ऐसे ही लगते थे। वहीं, कुछ ने उन्हें

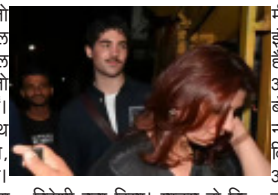

विदेशी बता दिया। मालूम हो कि आरव कुमार का बॉलीवुड में आने या एक्टिंग का कोई इरादा नहीं है, और वह इस बारे में पहले ही डैड अक्षय कुमार को बता चुके हैं। अक्षय ने एक बार 'एबीपी न्यूज़' को बताया था कि आरव ने उनसे कहा था कि पापा मुझे फिल्मों में नहीं आना। अक्षय ने बताया था कि उन्होंने बेटे आरव से कहा था कि वह उनके प्रोडक्शन कंपनी की बागडोर संभाल ले, पर मना कर दिया। अक्षय के मुताबिक, आरव फैशन डिजाइनर बनना चाहते हैं और उसी के गुर सीख रहे हैं। आरव सिर्फ लाइमलाइट से ही दूर नहीं रहते, बल्कि वह सोशल मीडिया से भी दूर हैं। उनका कोई इंस्टाग्राम या ट्विटर अकाउंट नहीं है, पर उनके नाम पर कई इंस्टा अकाउंट्स जरूर बने हुए हैं। वह बॉलीवुड की भी किसी पार्टी में नजर नहीं आते और ना ही किसी और स्टार किड संग दिखते हैं। इस वक्त वह अपनी खुद की पहचान बनाने में लगे हुए हैं। आरव यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में पढ़ रहे हैं और लंदन में ही रहते हैं। अक्षय ने एक टॉक शो में बताया था कि आरव ने 14 साल की उम्र में ही घर छोड़ दिया था और पढ़ाई के लिए लंदन चले गए थे। अक्षय ने बताया था कि आरव को किसी पर भी निर्भर रहना पसंद नहीं। वह अपने कपड़े भी खुद धोते हैं और खाना भी खुद ही पकाते हैं। यहां तक कि वह कोई महंगे या ब्रांडेड कपड़े नहीं पहनते, बल्कि सेकेंड हैंड स्टोर से अपने लिए कपड़े खरीदते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।